राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

प्राइम युवा लहर

P.R.G.I.No.UPHIN/26/A9036

लखनऊ से प्रकाशित



वर्ष : 01 अंक : 07 | लखनऊ, शनिवार 07 नवम्बर 2026 | पृष्ठ – 08 मूल्य – 2/ रूपया

एक नजर में....

केरलम कांग्रेस के पदाधिकारियों पर अवमानना की कार्रवाई

नयी दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता राजनीतिक सुविधा का विषय नहीं है और इसी के साथ उसने भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर की गयी एक पोस्ट को लेकर केरलम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सभी पदाधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि संविधान सर्वोच्च है और कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक संगठन इससे ऊपर नहीं है। पीठ ने कहा, फैसलों की हमेशा आलोचना की जा सकती है। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप करने के लिए डराने–धमकाने का माध्यम नहीं बन सकती। कोई व्यक्ति कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो, अदालत के अधिकार को कमजोर करने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। पीठ ने कहा, अदालत के अधिकार को किसी राजनीतिक समर्थन की जरूरत नहीं है, बल्कि यह कानून के शासन पर आधारित है। जहां न्याय प्रशासन की व्यवस्था स्थापित है, वहां कानून को अपना काम करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता राजनीतिक सुविधा का विषय नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक वरिष्ठ अधिवक्ता को न्याय मित्र नियुक्त किया है, जो यह जांच करेंगे कि मामले में आपराधिक या दीवानी अवमानना के प्रावधान लागू होते हैं या नहीं।

राज ठाकरे ने बीजेपी के लोकतंत्र बचाओ मार्च पर सवाल उठाए

मुंबई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि एक तरफ तो वे देशभर में लोकतंत्र बचाओ मार्च निकाल रहे हैं, और दूसरी तरफ स्थानीय निकायों पर कब्जा करने के लिए लोकतांत्रिक जनादेश को दरकिनार कर रहे हैं। सत्ता में बैठी पार्टी द्वारा विपक्ष के खिलाफ सड़कों पर उतरने के विरोधाभास पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने बीजेपी के इरादों पर सवाल उठाए। उन्होंने कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (गोकुल डेयरी) के चुनावों में बीजेपी की हालिया चालों का जिक्र किया। बीजेपी की रणनीति का मजाक उड़ाते हुए ठाकरे ने कहा कि यह कितनी अजीब बात है कि जो पार्टी केंद्र से लेकर स्थानीय स्तर तक पूरी सत्ता में है, वह संविधान बचाने के नाम पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी सच में एक बहुत ही अजीब पार्टी है। यह ऊपर से लेकर नीचे तक सत्ता में है, फिर भी लोकतंत्र बचाने के लिए मार्च निकाल रही है। शायद दुनिया में यह इकलौता ऐसा उदाहरण होगा, जहां सत्ताधारी पार्टी ही विपक्ष के खिलाफ मार्च निकाल रही है।

मुंबई में बम धमकी से अलर्ट, हाईकोर्ट, बीएसई और अमिताभ बच्चन का बंगला निशाने पर





मुंबई महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में शुक्रवार को सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं, जब बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला। ईमेल में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई), वर्ली रेसकोर्स और अभिनेता अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' का भी उल्लेख किया गया। धमकी सामने आते ही मुंबई पुलिस और बम निरोधक दस्तों ने संबंधित स्थानों पर सुरक्षा जांच शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुलिस ने ईमेल को गंभीरता से लेते हुए जांच की और धमकी भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश शुरू कर दी। उपलब्ध रिपोर्टों में इन जगहों पर तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक मिलने की सूचना नहीं है। हालांकि, जांच जारी है और पुलिस ने ईमेल भेजने वाले की मंशा या पहचान के बारे में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। धमकी वाले संदेश में मुंबई के चार प्रमुख स्थानों का नाम होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई। पुलिस और अन्य एजेंसियां ईमेल का डिजिटल सुराग तलाश रही हैं, ताकि पता चल सके कि संदेश कहां से भेजा गया और इसके पीछे क्या उद्देश्य था। अधिकारियों की ओर से जांच से जुड़ी सीमित जानकारी ही साझा की गई है। एजेंसियां एक ओर परिसर की जांच कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर ईमेल की विश्वसनीयता और उसके स्रोत की पड़ताल कर रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, इससे पहले भी अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित बंगले को निशाना बनाने की धमकी मिली थी। 23 अक्तूबर को बांद्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स क्षेत्र के एक स्कूल को ऐसा ईमेल मिलने की खबर आई थी, जिसमें अभिनेता के बंगले का उल्लेख था। पुलिस ने उस मामले में भी जांच की थी।

धनतेरस एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

धनतेरस और दीपावली के पावन पर्व पर डॉ. एस. ए. फारूकी, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) की ओर से समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से कामना है कि यह पावन त्योहार आप सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली लेकर आए। आपका जीवन दीपों की रोशनी की तरह सदैव जगमगाता रहे और हर घर में प्रेम, भाईचारे एवं खुशियों का उजाला बना रहे। आप सभी को धनतेरस एवं दीपावली की मंगलमय शुभकामनाएं।





सादर शुभकामनाओं सहित
डॉ. एस. ए. फारूकी
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

पंजाब के राजपुरा में कर्मभूमि एक्सप्रेस के 4 कोच में लगी आग, चपेट में आए 4 डिब्बे



राजपुरा पंजाब में सराय बंजारा रेलवे स्टेशन के पास कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लगने से यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। ट्रेन नंबर 12508 अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही थी। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, आग इंजन की ओर से पांचवें कोच में लगी और फिर पास के अन्य डिब्बों तक फैल गई। घटना की सूचना मिलने पर ट्रेन रोक दी गई और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, आग की सूचना सराय बंजारा स्टेशन के पास मिली। यह इलाका सरहिंद और राजपुरा के बीच पड़ता है। घटना का धुआं दूर से दिखाई दिया, जिससे आसपास भी हलचल मच गई। आग लगने की खबर के बाद रेलवे और स्थानीय राहत–बचाव टीमें मौके पर पहुंचीं। नॉर्दर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि ट्रेन के सुरक्षा तंत्र ने समय पर काम किया और ट्रेन रुक गई। वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे तथा आग बुझाने की कार्रवाई की गई। रिपोर्टों के मुताबिक यात्रियों को डिब्बों से बाहर निकाल लिया गया। किसी के घायल होने या जान जाने की सूचना नहीं है। लोको पायलट की तत्परता और ट्रेन के सुरक्षा इंतजामों से यात्रियों को सुरक्षित निकालने में मदद मिली।

48 घंटे तक जंगल में किया युद्धाभ्यास



नयी दिल्ली भारत और इंडोनेशिया के विशेष बलों ने संयुक्त सैन्य अभ्यास गरुड़ शक्ति–2026 सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अभ्यास के अंतिम चरण में दोनों देशों के सैनिकों ने इंडोनेशिया में लगातार 48 घंटे तक युद्ध जैसी परिस्थितियों में अभियान चलाया। जंगलों में कठिन सैन्य अभियानों को अंजाम दिया। युद्धक क्षमता, सहनशक्ति और संयुक्त रूप से काम करने की दक्षता का प्रदर्शन किया। अभ्यास के दौरान सैनिकों ने घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में विशेष सैन्य अभियान चलाने का प्रशिक्षण लिया। इसमें सटीक निशानेबाजी, बाधाओं को पार करना, पर्वतीय अभियानों, हेलीकॉप्टर से सैनिकों को उतारने, सामरिक गश्त और दुश्मन की गतिविधियों के निशान पहचानकर उसका पीछा करने जैसी गतिविधियां शामिल रहीं। हेलीकॉप्टर से सैनिकों को उतारने के अभ्यास में हवाई हमले की पूरी प्रक्रिया को दोहराया गया। इसमें सैनिकों को तेजी से निर्धारित स्थान पर उतारने, उतरने के क्षेत्र को सुरक्षित करने, घने जंगलों में सामरिक गश्त करने और सौंपे गए मिशन को अंजाम देने का प्रशिक्षण शामिल था। इस अभ्यास से दोनों देशों के सैनिकों के बीच तालमेल और कठिन परिस्थितियों में तेजी से कार्रवाई करने की क्षमता को परखा गया। जंगलों में दुश्मन की गतिविधियों का पता लगाने के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके तहत सैनिकों ने जमीन पर मौजूद निशानों, मिट्टी में बदलाव और आसपास की अन्य गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण कर किसी व्यक्ति या दल की आवाजाही का पता लगाने की तकनीक सीखी। इसके अलावा, सामरिक अभियानों के दौरान निगरानी और टोह लेने के लिए ड्रोन के इस्तेमाल का भी अभ्यास किया गया। इससे सैनिकों को अपने आसपास की परिस्थितियों पर बेहतर नजर रखने और अभियान से जुड़ी जानकारी जुटाने का प्रशिक्षण मिला। अभ्यास का सबसे महत्वपूर्ण चरण 48 घंटे का सत्यापन युद्धाभ्यास रहा। इसमें पिछले सात दिनों के दौरान हासिल किए गए कौशल को वास्तविक अभियान जैसी परिस्थितियों में परखा गया।

दीपावली की तैयारियों से जगमगाने लगी राजधानी, बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़



लखनऊ। रोशनी, खुशियों और आपसी भाईचारे का प्रतीक दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही राजधानी लखनऊ सहित पूरे उत्तर प्रदेश में उत्साह का माहौल दिखाई देने लगा है। बाजारों से लेकर घरों तक दीपावली की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। दुकानों पर रंग–बिरंगी झालरें, आकर्षक दीपक, मोमबत्तियां, सजावटी सामान, मिठाइयां और पूजा सामग्री लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। धनतेरस के साथ ही पांच दिवसीय दीपावली पर्व की शुरुआत हो चुकी है। इस वर्ष 8 नवंबर को दीपावली मनाई जाएगी। अमीनाबाद, हजरतगंज, चौक, भूतनाथ मार्केट और आलमबाग सहित राजधानी के प्रमुख बाजारों में खरीदारों की चहल–पहल बढ़ गई है। लोग अपने घरों को सजाने के लिए बिजली की झालरें, मिट्टी के दीये, लक्ष्मी–गणेश की मूर्तियां और अन्य आवश्यक सामान खरीद रहे हैं। सुरक्षा और यातायात पर विशेष ध्यान त्योहार के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस विभाग ने सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए हैं। लखनऊ के प्रमुख बाजारों में 6 से 9 नवंबर तक यातायात डायवर्जन लागू किया गया है। वहीं अग्निशमन विभाग ने भी आग की घटनाओं से निपटने के लिए दमकल वाहनों और कर्मचारियों की तैनाती की है। यूपी–112 की आपातकालीन सेवाओं को भी त्योहार के दौरान 24 घंटे सक्रिय रखने की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में लोगों को तत्काल सहायता मिल सके। स्वदेशी सामान खरीदने की अपील दीपावली केवल दीप जलाने और घर सजाने का त्योहार नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों, कुम्हारों, कारीगरों और स्थानीय दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कान लाने का भी अवसर है। मिट्टी के दीये और स्थानीय उत्पाद खरीदकर हम उनके रोजगार को बढ़ावा दे सकते हैं। सावधानी के साथ मनाएं त्योहार दीपावली खुशियों का पर्व है, इसलिए पटाखों का प्रयोग सावधानीपूर्वक और निर्धारित नियमों के अनुसार करना चाहिए। बच्चों को पटाखों से दूर रखें, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें तथा पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में अपना योगदान दें। आइए, इस दीपावली पर अपने घर के साथ–साथ किसी जरूरतमंद के जीवन में भी खुशियों का दीप जलाएं। क्योंकि त्योहार की असली रौनक महंगे सामान और रोशनी में नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे, इंसानियत और एक–दूसरे के चेहरों पर मुस्कान लाने में है। सभी देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

पुलिस लाइन में कार्यक्रम, आईटी चौराहे के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन लागू



लखनऊ। लखनऊ की रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार को नवनियुक्त उपनिरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के चलते शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए आईटी चौराहे और आसपास के कई मार्गों पर सुबह 8 बजे से दोपहर लगभग 12 बजे तक यातायात डायवर्जन लागू किया गया। निशातगंज, डालीगंज, हनुमान सेतु और अयोध्या रोड की तरफ जाने वाले वाहन चालकों को वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अनावश्यक जाम से बचने के लिए निर्धारित मार्गों का पालन करें। अन्य पुलिस अपडेट: – शहर में त्योहारों के मद्देनजर प्रमुख बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। – सीसीटीवी, ड्रोन और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों से निगरानी की जा रही है। – यातायात नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा को लेकर नवंबर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

2028 तक स्मार्ट मीटर लक्ष्य हासिल करने के लिए रोजाना 2.5 लाख मीटर लगाने होंगे



नयी दिल्ली भारत को मार्च 2028 तक 25 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए इंस्टॉलेशन की रफ्तार में उल्लेखनीय तेजी लानी होगी, और इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए देश को प्रतिदिन लगभग 2.5 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित करने होंगे। शुक्रवार को जारी केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2026 तक देशभर में करीब 6.5 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके थे, जो कुल लक्ष्य का लगभग एक–चौथाई हिस्सा है। हालांकि लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए मौजूदा गति की तुलना में कहीं अधिक तेजी की आवश्यकता होगी। वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान प्रतिदिन औसतन लगभग 99,000 स्मार्ट मीटर लगाए गए थे। इस लिहाज से आगामी लक्ष्य हासिल करने के लिए इंस्टॉलेशन की गति को ढाई गुना से अधिक बढ़ाना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, स्मार्ट मीटरों की स्थापना में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वित्त वर्ष 2023–24 में 48 लाख मीटर लगाए गए थे, वहीं यह संख्या वित्त वर्ष 2024–25 में बढ़कर 1.47 करोड़ और वित्त वर्ष 2025–26 में 3.63 करोड़ हो गई। राज्यवार प्रदर्शन की बात करें तो महाराष्ट्र सबसे आगे है। राज्य में लगभग 1.1 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जो देश में कुल इंस्टॉलेशन का करीब 17 प्रतिशत है। महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश मिलकर देश में हुए कुल स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन का लगभग 47 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। हालांकि विभिन्न राज्यों में प्रगति की गति समान नहीं है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश ने स्वीकृत क्षमता का लगभग 32 प्रतिशत इंस्टॉलेशन किया है, जबकि बिहार में यह आंकड़ा करीब 52 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, इससे स्पष्ट होता है कि जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन क्षमता और राज्य सरकारों की भूमिका लक्ष्य हासिल करने में बेहद महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट का अनुमान है कि स्मार्ट मीटरों का पूर्ण पैमाने पर उपयोग वित्त वर्ष 2030–31 तक बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त संचयी राजस्व उत्पन्न कर सकता है। यह लाभ बिलिंग और वसूली दक्षता में सुधार तथा तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों (एटीएंडसी लॉस) में कमी के कारण संभव होगा। बिजली वितरण क्षेत्र में कई प्रमुख संकेतकों में पहले ही सुधार देखने को मिला है। एटीएंडसी नुकसान वित्त वर्ष 2019–20 के 20.73 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2024–25 में 15.04 प्रतिशत पर आ गया है। इसी अवधि में बिलिंग दक्षता लगभग 88 प्रतिशत तक पहुंची है, जबकि संग्रहण दक्षता करीब 97 प्रतिशत दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, स्मार्ट मीटरों के व्यापक उपयोग से बिलिंग दक्षता बढ़कर 97–98 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

संक्षिप्त खबरें

दीपावली पर उपहार के साथ हुनरमंद हाथों का करें सम्मान–योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आत्मीयता, उल्लास और लोकमंगल की भावना का पर्व है। इस पावन अवसर पर अपने प्रियजनों को उपहार देते समय प्रदेश के हुनरमंद कारीगरों और शिल्पकारों को भी याद रखें। उनकी साधना से उत्तर प्रदेश की कला और शिल्प को विशिष्ट पहचान मिली है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एक जनपद–एक उत्पाद ओडीओपी योजना ने प्रदेश की पारंपरिक कलाओं को नई पहचान दिलाई है। आज प्रदेश के निर्यात में ओडीओपी उत्पादों की लगभग 50 प्रतिशत भागीदारी है। वहीं, 81 जीआई टैग के साथ उत्तर प्रदेश की विशिष्ट उत्पाद परंपराएं वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं।सीएम योगी ने प्रदेशवासियों से इस दीपावली पर ओडीओपी उत्पादों को उपहार स्वरूप अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश की समृद्ध विरासत और कारीगरों, शिल्पकारों एवं उद्यमियों के परिश्रम के प्रति सम्मान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान को आत्मसात करते हुए स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करें और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को मजबूती दें।

मोहम्मद मुजाहिद बने राष्ट्रीय लोकदल के लखनऊ महानगर अध्यक्ष'

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने लखनऊ निवासी मोहम्मद मुजाहिद को लखनऊ महानगर अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि मोहम्मद मुजाहिद अपनी सक्रियता एवं संगठनात्मक क्षमता के माध्यम से लखनऊ महानगर में राष्ट्रीय लोकदल के संगठन को और अधिक मजबूत एवं विस्तारित करेंगे। साथ ही भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की विचारधारा, उनके सिद्धांतों एवं जनकल्याणकारी नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मोहम्मद मुजाहिद राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के कुशल नेतृत्व में पार्टी की नीतियों और विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय लोकदल की आवाज को मजबूती से बुलंद करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। मोहम्मद मुजाहिद की नियुक्ति से लखनऊ महानगर में पार्टी संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने मोहम्मद मुजाहिद को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश पाल धनगर, प्रदेश कोषाध्यक्ष बी एल प्रेमी, रामावती तिवारी, आर पी सिंह चौहान, प्रीति श्रीवास्तव, प्रमोद शुक्ला ने मोहम्मद मुजाहिद को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामना दी।

दीपोत्सव अयोध्या में फिर गूंजेगा राम भजन और राम नाद

लखनऊ। अयोध्या में आयोजित होने वाले दीपोत्सव–2026 में इस बार भी राम भजन और राम नाद की गूंज सुनाई देगी। भजन गायक एवं लखनऊ नगर निगम में जोनल अधिकारी मनोज कुमार यादव को दीपोत्सव के भव्य आयोजन में प्रस्तुति देने के लिए पुनः आमंत्रित किया गया है। इस बार उनके कार्यक्रम में पारंपरिक राम भजनों के साथ विशेष रूप से राम नाद की प्रस्तुति भी शामिल होगी।राम नाद एक ऐसी सामूहिक भक्ति प्रस्तुति है, जिसमें गायक के साथ श्रोता भी एक लय और स्वर में भगवान श्रीराम के नाम का उद्घोष करते हैं। इसमें हजारों श्रद्धालु एक साथ राम नाम का जाप करते हुए भक्ति के इस आयोजन में सहभागी बनते हैं। आयोजकों का उद्देश्य श्रद्धालुओं को केवल भजन सुनने तक सीमित न रखते हुए उन्हें सामूहिक रूप से राम नाम की धुन से जोड़ना है। उल्लेखनीय है कि मनोज कुमार यादव इससे पहले 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर अयोध्या में अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। इसके अतिरिक्त संस्कृति मंत्रालय की ओर से उन्हें महाकुंभ–2025 और पूर्व के दीपोत्सव आयोजनों में भी आमंत्रित किया जा चुका है। श्री यादव के भजन डिजिटल मंचों पर भी काफी लोकप्रिय हैं। उनका भजन श्मेरे राम, तेरे रामश् लाखों श्रोताओं तक पहुंच चुका है। वहीं, छठ पर्व पर प्रस्तुत उनका गीत श्छठी मैया, छठी मैयाश् भी श्रोताओं के बीच विशेष लोकप्रियता हासिल कर रहा है। दीपोत्सव के दौरान सरयू तट पर लाखों दीपों की जगमगाहट, श्रीराम मंदिर की भव्यता और सामूहिक राम नाद की गूंज श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस आयोजन के माध्यम से भक्ति, संगीत और सामूहिक सहभागिता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

आवेदक का फॉर्म 6 में मोबाइल नम्बर अंकित करने के कई लाभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली में नाम शामिल किए जाने हेतु पात्र नागरिकों द्वारा ऑफलाइन के अतिरिक्त ऑनलाइन माध्यमों से भी आवेदन किया जाता है। ऐसा संज्ञान में आया है कि आवेदकों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से स्वयं अथवा जन सुविधा केन्द्रों के माध्यम से फार्म–6 जमा करने पर मोबाइल नम्बर पर रेफरेन्स नम्बर की सूचना प्राप्त न होने की दशा में एक से अधिक बार आवेदन कर दिया जाता है, जिसके कारण एक से अधिक प्रविष्टियों की समस्या उत्पन्न हो रही है। जिला निर्वाचन अधिकारियों को जन सुविधा केन्द्रों के संचालकों को प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु दिशा–निर्देश जारी किये गये हैं। नागरिकों द्वारा स्वयं अथवा जन सुविधा केन्द्र के माध्यम से भरे जाने वाले फार्म–6 की एक से अधिक प्रविष्टियों को रोकने हेतु कुछ बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है।फार्म–6 भरते समय फार्म पर आवेदक अथवा उसके संबंधी का मोबाइल नम्बर अंकित किया जा सकता है। फार्म में दिया गया मोबाइल नम्बर इलेक्टर डाटा में ईपीक आईडी के साथ लिंक हो जाता है।फार्म–6 का फाइनल सबमिशन ई–साइन के उपरान्त होता है एवं ई–साइन होने के पश्चात ही फार्म का रेफरेंस नम्बर जनरेट होता है। आवेदक द्वारा अपना आधार नम्बर देने के पश्चात आधार लिंक मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त होता है। ओटीपी डालने पर ई–साइन सक्सेसफुली कम्प्लीट हो जाता है।

राम की पैड़ी पर नई सुविधाओं का लुत्फ उठा रहे पर्यटक, अयोध्या 30 लाख दीपों से जगमगाने को तैयार

सरयू तट पर राम की पैड़ी पर्यटकों का नया आकर्षण, ओपन एयर थिएटर और म्यूरल वॉल का ले रहे आनंद



लखनऊ। योगी सरकार के आयोजन दीपोत्सव–2026 में एक तरफ अयोध्या जहां 30 लाख दीपों से जगमगाने को तैयार है, वहीं सरयू किनारे राम की पैड़ी पर विकसित नया पर्यटन आकर्षण भी पर्यटकों का स्वागत कर रहा है। यहां आने वाले पर्यटक विजिटर गैलरी, सेल्फी प्वाइंट और दर्शक दीर्घा के साथ पर्यटन सुविधाओं का आनंद ले रहे हैं। 23.68 करोड़ रुपये से तैयार इस परियोजना में ओपन एयर थिएटर, आकर्षक प्रवेश द्वार, मंच, म्यूरल वॉल और पत्थर से बनी कई कलात्मक संरचनाएं विकसित की गई हैं। इससे राम की पैड़ी का स्वरूप और आकर्षक होने के साथ ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को नया अनुभव दे रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद अयोध्या के तहत पर्यटन विभाग की इस परियोजना के फेज–2 के तहत राम की पैड़ी का विकास करते हुए ओपन एयर थिएटर बनाया गया है। इसके साथ प्रवेश द्वार और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए मंच तैयार किया गया है। दर्शकों के बैठने और कार्यक्रम देखने के लिए दर्शक दीर्घा विकसित की गई है। विजिटर गैलरी और सेल्फी प्वाइंट भी इस परियोजना का हिस्सा है। इन सुविधाओं से राम की पैड़ी पर आने वाले पर्यटकों को न केवल परिसर को करीब से देखने का अवसर मिलेगा, बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।राम की पैड़ी की सुंदरता बढ़ाने के लिए छह स्टोन छतरियों और छह स्टोन ज्योति दीपों का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा स्टोन स्तंभ, स्टोन प्लांटर और स्टोन जाली भी बनाई गई है। परिसर में ग्रीन एरिया विकसित करने के साथ पर्यटकों की सुविधा के लिए दिशा सूचक लगाए गए हैं। यहां शिलालेख और प्रकाश व्यवस्था का काम भी कराया गया है। इन निर्माण कार्यों के जरिए परिसर को आकर्षक स्वरूप देने के साथ पर्यटकों की सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया है। परियोजना में म्यूरल वॉल के निर्माण के साथ अन्य पर्यटन विकास कार्य भी शामिल हैं। सरयू किनारे राम की पैड़ी पर विकसित की गई ये सुविधाएं अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को नया अनुभव देंगी। उन्होंने बताया दीपोत्सव के दौरान अयोध्या में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है, ऐसे में इस तरह की सुविधाएं शहर के धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को और विस्तार देंगी। उन्होंने बताया यह परिसर दीपोत्सव–2026 के अलावा पूरे साल अयोध्या आने वाले पर्यटकों के लिए उपयोगी रहेगा। राम की पैड़ी पर विकसित ओपन एयर थिएटर, दर्शक दीर्घा, म्यूरल वॉल और अन्य सुविधाएं अयोध्या के पर्यटन परिदृश्य में नया आकर्षण जोड़ेंगी। धार्मिक महत्व के इस स्थल पर अब पर्यटकों को बेहतर सुविधाओं के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों और सरयू किनारे के वातावरण का आनंद लेने का अवसर भी मिलेगा। अपर मुख्य सचिव एवं महानिदेशक पर्यटन अमृत अभिजात ने बताया कि अयोध्या में पर्यटन विकास का उद्देश्य केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें यहां की आध्यात्मिक विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं और सरयू तट के प्राकृतिक सौंदर्य से जोड़ना भी है। राम की पैड़ी पर विकसित की गई नई सुविधाएं इसी सोच का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि ओपन एयर थिएटर और दर्शक दीर्घा जैसे निर्माण यहां सांस्कृतिक आयोजनों को नया मंच देंगे, वहीं विकसित परिसर पर्यटकों को अयोध्या की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा यादगार अनुभव प्रदान करेगा।

नितिन नबीन ने गोरखनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार गोरखपुर आए नितिन नबीन ने गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया। पूरे विश्व में प्रसिद्ध नाथपंथ की इस पीठ पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भावपूर्ण स्वागत किया। गोरखनाथ मंदिर आगमन पर नितिन नबीन शिवावतार गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा के समक्ष पहुंचे और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धावनत होकर दर्शन–पूजन किया। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। दर्शन–पूजन के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मंदिर परिसर का भ्रमण कराया। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर और नाथपंथ से जुड़ी जानकारियां राष्ट्रीय अध्यक्ष को दीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष को अंगवस्त्र, प्रसाद और गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा भेंटकर अभिनंदन किया। गोरखनाथ मंदिर में प्रसाद और जलपान ग्रहण करने के बाद नितिन नबीन पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हो गए।

दीपोत्सव में रामनगरी के 500 वर्षों का इतिहास होगा जीवंत

रामकथा पार्क में अभिनय से दिखेगा मंदिर आंदोलन के पुरोधाओं का योगदान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दसवें दीपोत्सव–2026 में इस बार रामनगरी के इतिहास, श्रीराम मंदिर आंदोलन और अयोध्या के विकास की यात्रा को विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। संस्कृति विभाग की ओर से रामकथा पार्क में लगाई जाने वाली इस प्रदर्शनी में वर्ष 1500 ईस्वी से लेकर वर्तमान समय तक के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों को दर्शाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इसका अवलोकन करेंगे। प्रदर्शनी के जरिए श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अयोध्या के ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक बदलावों की विस्तृत जानकारी मिलेगी। प्रदर्शनी में श्रीराम मंदिर आंदोलन के प्रमुख पुरोधाओं के योगदान को अभिनय आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत रूप में दिखाया जाएगा। मंदिर आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण पड़ावों, मंदिर निर्माण की प्रक्रिया और वर्तमान भव्य स्वरूप तक की यात्रा को भी प्रदर्शित किया जाएगा। मंदिर परिसर के विकास के साथ अयोध्या में हुए आधारभूत ढांचे के विस्तार, सड़कों, सुविधाओं और शहर के बदलते स्वरूप की कहानी भी इसमें शामिल रहेगी।प्रदर्शनी में वर्ष 1500 ईस्वी से लेकर आधुनिक अयोध्या तक की यात्रा को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने की तैयारी है। इसमें रामनगरी के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व से जुड़े प्रसंगों के साथ श्रीराम मंदिर आंदोलन के विभिन्न चरणों को भी स्थान दिया जाएगा। श्रीराम मंदिर के निर्माण और परिसर के विकास को प्रदर्शनी का प्रमुख हिस्सा बनाया जाएगा। रामकथा पार्क में होने वाली यह प्रदर्शनी दीपोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का महत्वपूर्ण आकर्षण होगी। देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और युवाओं को इसके माध्यम से अयोध्या के इतिहास तथा मंदिर आंदोलन से जुड़े घटनाक्रमों को जानने का अवसर मिलेगा। अयोध्या अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के सलाहकार एवं विशेष कार्याधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि दसवें दीपोत्सव में अयोध्या की ऐतिहासिक यात्रा को व्यापक स्वरूप में प्रस्तुत करने की योजना है। संस्कृति विभाग की ओर से रामकथा पार्क में लगाई जाने वाली प्रदर्शनी में 1500 ईस्वी से लेकर वर्तमान समय तक के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रीराम मंदिर आंदोलन के महान पुरोधाओं के योगदान को अभिनय के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

'धनत्रयोदशी के दिन किए जानेवाले यमदीपदान और स्वर्ण अथवा चांदी के नए पात्र क्रय करने का शास्त्र'

लखनऊ। शक संवत अनुसार आश्विन कृष्ण त्रयोदशी तथा विक्रम संवत अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी अर्थात धनत्रयोदशी' । इसी को साधारण बोलचाल की भाषा में धनतेरस' कहते हैं । इस दिन के विशेष महत्त्व का कारण यह दिन देवताओं के वैद्य धन्वंतरि की जयंती का दिन है ।'अ. दीपदान से दीर्घ आयु की प्राप्ति होना' – दीप प्राणशक्ति एवं तेजस्वरूप शक्ति प्रदान करता है । दीपदान करने से व्यक्ति को तेज की प्राप्ति होती है । इस से उस की प्राणशक्ति में वृद्धि होती है और उ से दीर्घ आयु की प्राप्ति होती है । 'आ. यमदेव के आशीर्वाद प्राप्त करना'– धनत्रयोदशी के दिन ब्रह्मांड में यमतरंगों के प्रवाह कार्यरत रहते हैं । इसलिए इस दिन यमदेवता से संबंधित सर्व विधियों के फलित होने की मात्रा अन्य दिनों की तुलना में ३० प्रतिशत अधिक होती है । धनत्रयोदशी के दिन संकल्प कर यमदेव के लिए दीप का दान करते हैं और उन के आशीर्वाद प्राप्त करते हैं ।'इ. यमदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना'–यमदेव मृत्युलोक के अधिपति हैं। धनत्रयोदशी के दिन यमदेव का नरकपर आधिपत्य होता है। साथही विविध लोकों में होनेवाले अनिष्ट शक्तियों के संचारपर भी उन का नियंत्रण रहता है। धनत्रयोदशी के दिन यमदेव से प्रक्षेपित तरंगें विविध नरकोंतक पहुंचती हैं। इसी कारण धनत्रयोदशी के दिन नरक में विद्यमान अनिष्ट शक्तियोंद्वारा प्रक्षेपित तरंगें संयमित रहती हैं। परिणामस्वरूप पृथ्वीपर भी नरकतरंगों की मात्रा घटती है। इसीलिए धनत्रयोदशी के दिन यमदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए उन का भावसहित पूजन एवं दीपदान करते हैं। दीपदान से यमदेव प्रसन्न होते हैं। संक्षेप में कहें तो, यमदीपदान करना अर्थात दीप के माध्यम से यमदेव को प्रसन्न कर अपमृत्यु के लिए कारणभूत कष्टदायक तरंगों से रक्षा के लिए उनसे प्रार्थना करना। यमदीपदान विधि में नित्य पूजा की थाली में घिसा हुआ चंदन, पुष्प, हलदी, कुमकुम, अक्षत अर्थात अखंड चावल इत्यादि पूजासामग्री होनी चाहिए । साथही आचमन के लिए ताम्रपात्र, पंचपात्र, आचमनी ये वस्तुएं भी आवश्यक होती हैं। यमदीपदान करने के लिए हलदी मिलाकर गुंदे हुए गेहूं के आटे से बने विशेष दीप का उपयोग करते हैं। दक्षिण दिशा यमतरंगों के लिए पोषक होती है अर्थात दक्षिण दिशा से यमतरंगें अधिक मात्रा में आकृष्ट एवं प्रक्षेपित होती हैं। दक्षिण दिशा से यमतरंगों का प्रवाह दीप की ओर आकृष्ट होता है। यमतरंगों का यह प्रवाह दीप के चारों ओर वलयांकित रूप में फैलता है। यमतरंगों के कारण कनिष्ठ प्रकार की अनिष्ट शक्तियां दूर हट जाती हैं। यमतरंगों के रूप में आए यमदेव के दर्शन हेतु स्थानदेवता एवं वास्तुदेवता भी तत्त्वरूप में उस स्थानपर आते हैं। इन देवताओं के आगमन के कारण वायुमंडल चौतन्यमय बनता है। वास्तु में रहनेवाले सभी सदस्यों को इस का लाभ होता है। इस प्रकार यमतरंगों के निकट आने के कारण धनत्रयोदशी के दिन दीप का पूजन कर उस का यमदेव के लिए किया दान उन्हें अल्पावधि में एवं सहजता से प्राप्त होता है। परिणामस्वरूप अपमृत्यु के लिए कारणभूत तरंगों से व्यक्ति की रक्षा होती है। धनत्रयोदशी के दिन लक्ष्मीतत्त्व कार्यरत रहता है। इस दिन स्वर्ण अथवा चांदी के नए पात्र क्रय करने की कृतिद्वारा श्री लक्ष्मी के धनरूपी स्वरूप का आवाहन किया जाता है और कार्यरत लक्ष्मीतत्त्व को गति प्रदान की जाती है।

जनगणना में धर्म, मातृभाषा और जाति की सही जानकारी देना बेहद जरूरी : मोहम्मद आफाक'

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक और आरिफ ज्वेलर्स ने जारी बयान में लोगों से अपील करते हुए कहा कि नवंबर और दिसंबर महीने में जनगणना का दूसरा चरण होने जा रहा है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को लगभग 40 सवालों के जवाब देने होंगे। इनमें से तीन सवाल मुस्लिम समाज के लिए विशेष महत्व रखते हैं। पहला धर्म, दूसरा मातृभाषा और तीसरा जाति। उन्होंने कहा कि इन तीनों सवालों के जवाब को लेकर अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार किया जाए। जहां कहीं भी मदद की आवश्यकता हो, वहां मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली द्वारा इस कार्य के लिए गठित टीम से संपर्क कर अपनी समस्याओं को समझा जा सकता है। समाज के सभी जागरूक लोग मिलकर ऐसी मेहनत करें कि मुस्लिम समाज के एक–एक व्यक्ति तक यह आवाज पहुंच जाए कि जनगणना में अपना धर्म इस्लाम ही बताएं, चाहे वह किसी भी मसलक या मक्तब–ए–फिक्र से संबंध रखता हो। दूसरा, अपनी मातृभाषा उर्दू ही दर्ज कराएं, क्योंकि इसमें मुस्लिम समाज की बुनियादी तरक्की जुड़ी हुई है। तीसरा, आप जिस जाति या कबीले से संबंध रखते हैं, उसे दर्ज कराएं, ताकि आप भी सामाजिक न्याय के हकदार बन सकें। उन्होंने कहा कि जल्द ही मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण विषय पर लखनऊ में एक बड़ी बैठक का आयोजन किया जाएगा, ताकि मजबूत कार्ययोजना तैयार कर उसे अमली जामा पहनाया जा सके और इस अभियान को 100 प्रतिशत सफल बनाया जा सके।

अब मिली सफलता पर संयुक्त परिषद ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया'

शासन ने जारी किया आउटसोर्स कर्मियों को न्यूनतम मानदेय का लाभ देने से संबंधित आदेश'

लखनऊ। प्रदेश में कार्यरत 5 लाख से भी अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों को शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, 2024 से लगातार कार्य कर रही थी। परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आउटसोर्स कर्मचारियों के शोषण से अवगत कराया था। मुख्यमंत्री ने आउटसोर्स कर्मचारियों को शोषण से मुक्ति दिलाने का आश्वासन संयुक्त परिषद को दिया था। 19 सितंबर 2025 को शासन ने एक आदेश जारी कर उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का गठन करते हुए विभिन्न श्रेणी के पदों पर नियुक्ति की पारदर्शी प्रक्रिया एवं न्यूनतम मानदेय का निर्धारण कर दिया था। शासन द्वारा निर्धारित किए गए न्यूनतम पारिश्रमिक के आधार पर चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी को न्यूनतम 20000 ,श्रेणी 3 के कर्मचारियों को 22000, श्रेणी 2 के कर्मचारियों को 25000 तथा श्रेणी एक के कर्मचारियों के लिए न्यूनतम 40000 का मानदेय निर्धारित किया गया है। शासन के सचिवालय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान ने 2 नवंबर को प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों को शासनादेश दिनांक 19 सितंबर 2025 के अनुरूप पारिश्रमिक का भुगतान करने के आदेश निर्गत कर दिए हैं। निर्गत किए गए आदेश का लाभ प्रदेश के 5 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को 2 सितंबर 2026 से मिलेगा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी, कार्यवाहक अध्यक्ष त्रिलोकी नाथ चौरसिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण दुबे, महामंत्री अरुणा शुक्ला, उपाध्यक्ष डीके त्रिपाठी, सुबोध नारायण झा, शिवाकांत द्विवेदी, एच बी मणि त्रिपाठी, हर्ष कुमार सिंह, दिनेश कुमार उपाध्याय ,सतीश मिश्रा, कुसुम लता यादव, हेमंत पाठक, अतुल कुमार सिंह, राजेंद्र पाल, निरंजन कुमार श्रीवास्तव, रमेश चंद्र राय, गोविंद सिंह, सहित दर्जनों पदाधिकारियों ने आउटसोर्स कर्मचारियों को बड़े हुए मानदेय के लाभ का आदेश जारी करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन द्वारा निर्गत किए गए इस आदेश से आउटसोर्स कर्मियों को बड़ी राहत मिलेगी।पहले कर्मचारियों से सेवा प्रदाता एजेंसियां जीएसटी भी वसूल करती थीं। अब सेवा प्रदाता को दिया जाने वाला सेवा शुल्क एवं UPCOS का सेंटेज चार्ज सरकार जमा करेगी। कर्मचारी से 12: की दर से ईपीएफ ,एवं 0.75: डर से ESI कटौती की जाएगी, जबकि नियोक्ता को कर्मचारियों के खाते में 12: ईपीएफ एवं 3.25: ESI जमा करना होगा। श्रेणी– 4 के कर्मचारी का मासिक पारिश्रमिक 17646 निर्धारित किया गया है, जोकि इपीएफ एवं भ्प् कटौती के बाद 15396 मिलेगा। श्रेणी–4 के कर्मचारी से 2249 . 87 की इपीएफ, ESI कटौती की जाएगी जबकि नियोक्ता को इपीएफ ,भ्प् ,सर्विस चार्ज ,UPCOS का सेंटेज चार्ज एवं 18 पर्सेंट जीएसटी जमा करना पड़ेगा। इसी प्रकार श्रेणी 2, 3 एवं एक के कर्मचारियों के लिए भी न्यूनतम मानदेय निर्धारित किया गया है। शासन के इस आदेश से प्रदेश में कार्यरत सभी विभागों के आउटसोर्स कर्मियों को तत्काल लाभ मिलेगा। 2 नवंबर के आदेश के क्रम में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने अपने आउटसोर्स कर्मचारी के लिए बजट का आवंटन भी कर दिया है। आउटसोर्स कर्मियों के सेवा संरक्षण के संबंध में शासन द्वारा निगम के गठन के साथ ही पहले ही आदेश जारी किया जा चुका है।आउटसोर्स कर्मचारी निगम गठन के बाद आउटसोर्स कर्मचारियों को विभाग द्वारा कार्मिकों की मांग को निगम द्वारा आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से विभाग को सेवा प्रदान कराई जाएगी। आउटसोर्सिंग एजेंसी से कार्मिकों को प्रत्येक माह की 1 तारीख से 5 तारीख तक पारिश्रमिक उपलब्ध कराया जाएगा, कार्मिकों के ईपीएफ तथा ESI के खाते खुलवाकर धनराशि उनके खाते में जमा कराई जाएगी, कार्मिकों की कार्य क्षमता एवं दक्षता बढ़ाए जाने के लिए समय–समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। एससीध् एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, महिलाओं एवं ईडब्ल्यूएस तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित एवं भूतपूर्व सैनिकों को नियमानुसार आरक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

रंजीत खेड़ा कोदाहिया में दीपावली मिलन एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

उन्नाव। भाजपा विधायक माननीय अनिल सिंह जी के गांव रंजीत खेड़ा कोदाहिया में दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर कार्यकर्ता सम्मान एवं दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माहीं संस्था की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना सिंह जी ने विधायक अनिल सिंह सहित उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं अतिथियों का सम्मान किया तथा सभी को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्रीमती कल्पना सिंह ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की राजनीति अब जनता को गुमराह करने तक सीमित रह गई है। उत्तर प्रदेश की जनता विकास, सुशासन और मजबूत नेतृत्व के साथ खड़ी है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और पुरवा विधानसभा में विधायक अनिल सिंह लगातार तीसरी बार जीत दर्ज कर हैट्रिक लगाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की ताकत है और कार्यकर्ताओं के परिश्रम एवं समर्पण से ही संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है। विधायक अनिल सिंह ने कहा कि हमारा कार्यकर्ता हमारे लिये सर्वोपरि है। कार्यक्रम का कुशल संचालन भाजपा जिला महामंत्री डॉ. रजनीश वर्मा ने किया। वहीं लोकप्रिय गायिका नैना गौतम ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समारोह में समां बांध दिया और उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। की खुशियों के बीच कार्यकर्ताओं का उत्साह और संगठन की एकजुटता देखने को मिली।

जल जीवन मिशन से ग्रामीणों के स्वास्थ्य में होगा सुधार, शुद्ध पेयजल से घटेगा बीमारियों का खतरा

आर्सेनिक और फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने पर जोर, हर घर तक नल से जल पहुंचाने का प्रयास

लखीमपुर खीरी। तराई क्षेत्र में भूजल की गुणवत्ता और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता को लेकर चुनौतियों के बीच जल जीवन मिशन ग्रामीण परिवारों के लिए महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। जिले के कुछ क्षेत्रों में भूजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड तथा ।ि्श्रम् जैसी बीमारियों से जुड़े जोखिमों को देखते हुए ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत घर–घर जल संयोजन उपलब्ध कराने, नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने और पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। ग्रामीणों को पानी को स्वच्छ रखने, जल स्रोतों के आसपास साफ–सफाई बनाए रखने तथा दूषित जल के सेवन से बचने के लिए जागरूक किया जाना आवश्यक है। साथ ही जलापूर्ति व्यवस्था के संचालन और रखरखाव में स्थानीय ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी बल दिया जा रहा है। जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण महिलाओं को भी विशेष राहत मिलने की उम्मीद है। पहले ग्रामीणों को पेयजल के लिए दूर–दराज तक जाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों खर्च होते थे। घरों में नल से पानी उपलब्ध होने पर यह परेशानी कम होगी और महिलाओं को घरेलू कार्यों के साथ अन्य गतिविधियों के लिए भी समय मिल सकेगा। स्वच्छ पेयजल किसी भी स्वस्थ समाज की बुनियादी आवश्यकता है। ऐसे में जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुरक्षा, स्वच्छता और बेहतर जीवनशैली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण मनोज कुमार मौर्य ने बताया कि ग्रामीण परिवारों तक नियमित रूप से पर्याप्त और गुणवत्ता युक्त पानी पहुंचे तथा जलापूर्ति व्यवस्था का लगातार रखरखाव और पानी की गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने का प्रयास जारी है।।

आशीर्वाद नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज में फ्रेशर्स एवं फेयरवेल पार्टी का भव्य आयोजन

जौनपुर। आशीर्वाद नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज, छितौना, जलालपुर, जौनपुर में फ्रेशर्स एवं फेयरवेल पार्टी का भव्य आयोजन हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्र–छात्राओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा ळछड थ्पदंस ल्मंत 2023 बैच और ।छड थ्पदंस ल्मंत–2024 बैच के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का आयोजन श्री अशोक कुमार के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें श्री ओमप्रकाश चतुर्वेदी का विशेष सहयोग एवं योगदान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के चेयरमैन डॉ. विनोद कुमार एवं डॉ. अंजू कन्नौजिया द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ संस्कार, अनुशासन और सेवा भावना का होना भी अत्यंत आवश्यक है। नर्सिंग का क्षेत्र मानव सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसमें समर्पण, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा की विशेष भूमिका होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने भविष्य के प्रति सजग रहने तथा संस्थान का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। नृत्य, गायन, मिमिक्री, मनोरंजक प्रस्तुतियों एवं प्रेरणादायक नाटकों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। नवप्रवेशी विद्यार्थियों ने अपना परिचय देकर संस्थान में नए सफर की शुरुआत की, वहीं ळछड थ्पदंस ल्मंत 2023 बैच और ।छड थ्पदंस ल्मंत–2024 बैच के विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक जीवन की यादगार पलों के साथ भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ सदस्य श्री राजेंद्र प्रसाद, श्री श्यामजीत यादव एवं श्री पवन कुमार यादव, श्री दीपक कन्नौजिया एवं श्री शैलेन्द्र यादव, तथा शिक्षिकाएं अस्मीन, मोनिका पटेल, नेहा, मन्तसा परवीन, शिवांगी, काजल, प्रियंका, मुस्कान, निधि एवं शिवांगी भारद्वाज सहित अन्य कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। सभी ने इस आयोजन को यादगार बनाते हुए एक–दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

पटाखा बाजार में सुरक्षा से नहीं होगा समझौता, डीएम ने किया निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। दीपावली के पावन पर्व पर शहरवासियों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में डीएम अंजनी कुमार सिंह ने एडीएम बृजेश कुमार त्रिपाठी एवं संबंधित अधिकारियों की टीम के साथ पीके इंटर कॉलेज मैदान में लगने वाली अस्थाई पटाखा बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि पटाखा दुकानों की स्थापना पूरी पारदर्शिता के साथ की जाए और सुरक्षा मानकों के अनुपालन में किसी तरह की लापरवाही न हो। डीएम ने निर्देशित किया कि पूर्व की भांति पीके इंटर कॉलेज मैदान में ही निर्धारित व्यवस्था के अनुसार अस्थाई पटाखा दुकानों की स्थापना सुनिश्चित कराई जाए। दुकानों के बीच निर्धारित दूरी, अग्नि सुरक्षा सहित सभी जरूरी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि पटाखों की खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो और बाजार में सुरक्षित माहौल बना रहे। उन्होंने मैदान के समीप ही व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, जिससे खरीदारी के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो और लोगों को अपने वाहनों की पार्किंग के लिए भटकना न पड़े। डीएम ने उप जिलाधिकारी सदर एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट चलुवराजु आर और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका संजय कुमार को आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कराने के निर्देश दिए। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पटाखा बाजार में सुरक्षा, अग्निशमन व्यवस्था, आवागमन और आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, जिससे दीपावली का पर्व खुशियों और उल्लास के साथ सुरक्षित वातावरण में मनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सदर चलुवराजु आर,सीओ सिटी महक शर्मा, तहसीलदार सदर मुकेश कुमार वर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अक्षय रंजन शर्मा, ईओ संजय कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के गोदाम में लगी आग,6 दमकल गाड़ियों ने 3 घंटे में पाया काबू

हरदोई। शहर कोतवाली क्षेत्र के बिलग्राम रोड स्थित जल जीवन मिशन का काम कर रही नागार्जुन कॉरपोरेशन कंपनी लिमिटेड (एनसीसी) के गोदाम में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। गोदाम से उठती आग की लपटें देखकर आसपास के इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन विभाग को गुरुवार सुबह करीब 5.45 बजे गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। शुरुआत में सदर से एक फायर टेंडर मौके पर भेजा गया। आग तेजी से फैलती देख अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलानी पड़ीं। सदर से दो, संडीला से दो और बिलग्राम से एक अतिरिक्त फायर टेंडर मौके पर पहुंचा। कुल 6 दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का अभियान चलाया गया। गोदाम के आसपास प्लास्टिक स्क्रैप और तेल के डिब्बे पड़े होने के कारण आग के और फैलने का खतरा बना हुआ था। दमकल कर्मियों ने सावधानी बरतते हुए पहले गोदाम के चारों ओर मौजूद शेड को ठंडा किया। इसके बाद अलग–अलग दिशाओं से पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। करीब 3 घंटे तक लगातार प्रयास के बाद आग को नियंत्रित कर लिया गया। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी महेश प्रताप सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रही है। हालांकि, वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

खेत गिरवी रखने का दिया झांसा, करा लिया दो करोड़ की जमीन का बैनामाय सात महीने बाद 5 पर केस

हरदोई। दो वक्त की रोटी की आड़ में एक अनपढ़ के साथ फर्जीवाड़ा किए जाने का मामला सामने आया है। हरदोई के माधौगंज थाना क्षेत्र में पैसों की किल्लत का हवाला देते हुए खेत गिरवी रखने के बहाने करीब दो करोड़ रुपए की जमीन का बैनामा करा दिया गया। आरोप है कि पांच लोगों ने जरूरत के नाम पर पांच लाख रुपये दिलाने और खेत गिरवी रखने का झांसा दिया। इसके बाद इकरारनामा कराने के बहाने उसकी जमीन का बैनामा करा लिया गया। पीड़ित का दावा है कि न तो उसे कोई रकम मिली और न ही जमीन के बदले भुगतान किया गया। पुलिस की तरफ से कोई सुनवाई न होने पर मामला कोर्ट पहुंचा। उसके करीब 7 महीनें बाद पुलिस ने 5 के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। बता दें कि माधौगंज थाना क्षेत्र के तेरवा गांव निवासी मनीष पाल ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अनपढ़ है और योगेंद्र यादव के घर पर रहकर काम–धंधा करता था। इसके बदले योगेंद्र के घर पर ही उसके दो वक्त के भोजन की व्यवस्था होती थी। पीड़ित के मुताबिक, मार्च 2026 में उसे पांच लाख रुपये की जरूरत बताकर खेत गिरवी रखने का प्रस्ताव दिया गया। वह आरोपियों की बातों में आ गया। मनीष का आरोप है कि इसी योजना के तहत 16 मार्च 2026 को उसे बिलग्राम तहसील ले जाया गया। वहां इकरारनामा (एग्रीमेंट) कराने की बात कहकर उसकी 0.1260 हेक्टेयर जमीन, भूखंड संख्या 525 और 527 का बैनामा सुधीर कुमार के पक्ष में करा दिया गया। बैनामे में चेक के माध्यम से भुगतान किए जाने की बात दर्ज कराई गई, लेकिन पीड़ित के अनुसार उसे एक भी रुपया नहीं मिला। मनीष ने कोर्ट को बताया था कि अपने साथ हुए फर्जीवाड़े का विरोध करने पर 5 जुलाई की दोपहर आरोपी उसके घर आ धमके और गाली–गलौज करते हुए मारपीट की,साथ ही जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कोर्ट को बताया कि जब उसे अपने साथ हुए कथित फर्जीवाड़े की जानकारी हुई और उसने इसका विरोध किया तो 5 जुलाई की दोपहर आरोपी उसके घर पहुंच गए। आरोप है कि वहां गाली–गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं होने पर अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन (एफटीसी) कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल किया। कोर्ट की सुनवाई के बाद माधौगंज पुलिस ने बुधवार रात पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, साजिश और मारपीट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन (एफटीसी) कोर्ट की सुनवाई पर माधौगंज पुलिस ने बुधवार की रात माधौगंज थाने के रुकनापुर निवासी सुधीर कुमार, तेरवा निवासी योगेंद्र यादव, उन्नाव निवासी प्रभात सिंह,कासिमपुर थाने के गोड़वा भूपहिया निवासी रोहित और चंदीपुर निवासी रविंद्र कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी,साजिश और मारपीट के मामले में केस दर्ज कर जांच–पड़ताल शुरु कर दी है।

दिल्ली से घर लौटने की खुशी मातम में बदली, सड़क हादसे ने छीन लिया तीन बच्चों का पिता



हरदोई। दिल्ली से अपने घर लौट रहे विमलेश सिंह की सफर के दौरान दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। जिस पिता के घर लौटने का इंतजार एक बेटा और दो बेटियां कर रहे थे, वह अब कभी वापस नहीं आएंगे। मैनपुरी जिले के भोगांव क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़ी ट्राली से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई और गांव में मातम छा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरदोई जिले के अरवल थाना क्षेत्र के ग्राम सुलखामऊ निवासी विमलेश सिंह पुत्र भोला सिंह दिल्ली में रहकर काम करते थे। वह बाइक से दिल्ली से अपने पैतृक गांव लौट रहे थे। इसी दौरान मैनपुरी जिले में भोगांव और मैनपुरी के बीच सड़क पर किनारे खड़ी एक ट्राली से उनकी बाइक पीछे से जा टकराई। बताया जा रहा है कि ट्राली पर रिफ्लेक्टर या कोई संकेतक नहीं लगा था, जिसके चलते चालक को उसका अंदाजा नहीं हो सका और हादसा हो गया। इस हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। विमलेश अपने पीछे एक बेटा और दो बेटियां छोड़ गए हैं। वह अपने पीछे एक बेटा और दो बेटियां छोड़ गए हैं। पिता की असमय मौत से तीनों बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन बदहवास हो गए। गांव में शोक की लहर है और परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन बदहवास हो गए। परिवार को उम्मीद थी कि विमलेश घर लौटेंगे तो अपनों के बीच खुशियां बिखरेंगी, लेकिन उनकी मौत की खबर ने सारी उम्मीदें तोड़ दीं। घर में रोने–बिलखने की आवाजें गूंजने लगीं। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। एक सड़क हादसे ने तीन मासूम बच्चों से उनका पिता और परिवार से उसका सहारा छीन लिया।

मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाने से बचने की अपील

प्रतापगढ़। जिले में यातायात माह नवंबर–2026 के तहत गुरुवार को यातायात पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस ने मालवाहक वाहनों और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में सवारी बैठाने से बचने की अपील की। अभियान का मकसद सड़क हादसों पर रोक लगाना और लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देना था। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी यातायात रविन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाहन चालकों और राहगीरों को जागरूक किया। पुलिसकर्मियों ने मालवाहक वाहनों और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में सवारी बैठाकर चलने वाले चालकों को इसके खतरों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन वाहनों में यात्रियों को बैठाने से हादसे हो सकते हैं और जान–माल के नुकसान की आशंका रहती है। पुलिस ने चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और इस तरह सवारी बैठाने से बचने की अपील की। पैदल चलने वालों को भी नियमों की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने जागरूकता से जुड़े पंपलेट बांटे और सड़क पर सुरक्षित चलने के तरीके बताए। यातायात पुलिस ने लोगों से नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा में सहयोग करने की अपील की।

खाद्य विभाग ने पांच नमूने–जांच के लिए भेजे,पेड़ा और घी के नमूने लिए

प्रतापगढ़। जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने दीपावली अभियान के तहत पांच खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेजे हैं। विभाग ने 4 और 5 नवंबर 2026 को अलग–अलग दुकानों से ये नमूने लिए। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड–2 अभय कुमार सिंह के निर्देशन में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने बाजारों में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। यह कार्रवाई 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत की गई। विभाग ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम–2006 के तहत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांची। मिलावट या मानक के अनुरूप न होने के संदेह पर नमूने लिए गए। कुशहालगंज मांधाता के एटी साहू स्वीट्स से बूंदी के लड्डू, भुपियामऊ के अवध स्वीट्स एंड फास्ट फूड से कलाकंद और पुलिस लाइन के एक खाद्य प्रतिष्ठान से पेड़ा लिया गया। पृथ्वीगंज रानीगंज के सुरेश किराना स्टोर से अनिक घी और पट्टी के आनंद स्वीट्स से कलाकंद का नमूना लिया गया। पांचों नमूने जांच और विश्लेषण के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रसेवक पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह की आशीर्वाद यात्रा का अचलगंज नगर पंचायत मे भव्य स्वागत खूब मिला आशीर्वाद

उन्नाव। विधानसभा क्षेत्र भगवन्तनगर के सिकंदरपुर कर्ण ब्लॉक के अचलगंज नगर पंचायत मे राष्ट्रसेवक पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह की आशीर्वाद यात्रा शुरू हुई सर्वप्रथम बाबा जंगलेश्वर का आशीर्वाद लेकर घर घर जाकर बहनो भाइयो से आशीर्वाद लिया व अगामी विधानसभा चुनाव के लिये समर्थन मिला, अचलगंज नगर पंचायत मे व्यापक स्तर पर बहनो भाइयो मे भारी उत्साह दिखा सैंकड़ो की संख्या मे बहनो भाइयो ने साथ चलकर समर्थन दिया, पुष्पेन्द्र सिंह ने परिवारजनो को अपना 13 सूत्रीय घोषणा पत्र सौंपा व एक विकसित बैशवारा बनाने के लिये सभी से एकजुट होने की अपील की, नगर पंचायत अचलगंज मे दर्जनों स्थानों पर क्षेत्रीय युवाओं बहनो ने पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह का भव्य स्वागत किया उन्होंने माला पहनाकर, अंगवस्त्र भेंट करके अपने चहेते भाई का सम्मान किया इस दौरान मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रकाश सिंह परौरी, बैशवारा कल्याण समिति के अध्यक्ष मुन्ना सिंह अवधूत,प्रमुख पति पवन पासवान, इकबाल सिंह प्रधान, सुशील प्रधान, पंकज बाबाजी प्रधान, गौरीशंकर मास्टर जी, राजेश कोटेदार, फूलचंद्र यादव,रामलखन सिंह पूर्व प्रधान,रामसिंह, तेजबहादुर सिंह,अनिल सिंह,मानवेन्द्र सिंह,विनीत सिंह, आदेश चौधरी,अंशुल, अरुण, बरन, आशू सिंह,कमल सिंह,प्रखर अकवारा, राघवेंद्र सिंह, रामजी यादव, बादल सिंह,प्रिया, ऊषा, अनामिका, सीमा सोनी, सुमन, आरती,अनामिका,सिम्पल पाल,शालिनी आदि बड़ी संख्या मे लोग मौजूद रहे क्षेत्र मे भारी उत्साह दिखायी दिया

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ ऐतिहासिक भरत मिलाप

जौनपुर। नगर पंचायत रामपुर का ऐतिहासिक मेला एवं भरत मिलाप का आयोजन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। भगवान श्रीराम और भरत के मिलन की पावन परंपरा को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों की भीड़ उमड़ी। मेले में उमड़े जनसैलाब को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। एवं सुरक्षा व्यवस्था को चाक–चौबंद बनाए रखने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं अजय कुमार उपाध्याय एवं सहायक पुलिस अधीक्षकक्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं गोल्डी गुप्ता देर रात तक मेले में भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते नजर आए। अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में चक्रमण कर पुलिसकर्मियों की तैनाती, भीड़ नियंत्रण एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मेले की सुरक्षा के मद्देनजर कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। रामपुर थानाध्यक्ष रमेश कुमार भी पुलिस टीम के साथ लगातार भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। वहीं पवारा प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार भी मेले में भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रहे। प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों की सक्रियता के चलते पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। जगह–जगह पुलिसकर्मियों की तैनाती रही और अधिकारी स्वयं मौके पर मौजूद रहकर परिस्थितियों पर नजर रखते रहे। रामपुर का ऐतिहासिक भरत मिलाप धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। इस पारंपरिक आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में पुलिस एवं प्रशासन की मुस्तैदी सराहनीय रही।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दो शिक्षक बने ओएसडी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर दो सहायक आचार्यों को विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, इंजीनियरिंग संस्थान के कम्प्यूटर साइंस विभाग के शिक्षक डॉ. प्रशांत कुमार यादव को ओएसडी–टेक (विशेष कार्याधिकारी, तकनीकी) तथा डॉ. दिव्येंदु मिश्रा को ओएसडी–एडमिन (विशेष कार्याधिकारी, प्रशासन) नियुक्त किया गया है। आदेश के तहत ओएसडी–टेक डॉ. प्रशांत परिसर नेटवर्क, ई–ऑफिस और डिजिटल कार्यप्रवाह सहित अनुमोदित सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी पहलों के क्रियान्वयन में समन्वय एवं अनुश्रवण करेंगे। वहीं, ओएसडी–एडमिन डॉ. दिव्येंदु मिश्रा कार्यालयी कार्यों, बैठकों, पत्रावलियों एवं पत्राचार का समन्वय करेंगे। साथ ही प्रशासनिक निर्णयों पर की गई कार्रवाई का अनुश्रवण भी उनकी जिम्मेदारी होगी। कार्यालय आदेश में स्पष्ट किया गया है कि दोनों विशेष कार्याधिकारी कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के सीधे पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे। इसके अतिरिक्त कुलपति की ओर से सौंपे गए अन्य दायित्वों का भी निर्वहन करेंगे।

पीआरवी 112 और स्लीपर बस की टक्कर में पुलिसकर्मी घायल

हरदोई। मंझिला थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह पीआरवी 112 पुलिस वाहन और स्लीपर बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, मंझिला थाने की पीआरवी गाड़ी संख्या यूपी 32 डीजी 6299 और स्लीपर बस संख्या पीबी 03 बीएन 8225 के बीच टक्कर हुई। बताया गया कि स्लीपर बस शाहाबाद से पिहानी की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में पीआरवी पुलिस वाहन और बस की आमने–सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा। हादसे में पीआरवी में तैनात एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने घायल पुलिसकर्मी की मदद की। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस विभाग के अधिकारी भी घटना को लेकर सक्रिय हुए। हादसे में दोनों वाहनों के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद किसी अन्य व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। गनीमत रही कि बस में सवार यात्रियों को कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा। दुर्घटना के कारणों की जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

सम्पादकीय

ट्रंप का खत्म हुआ दबदबा

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ा झटका साबित हुए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लिए इन चुनावों को बड़ी परीक्षा माना जा रहा था। क्योंकि अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए जिसका सीधा असर न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीति पर पड़ा, बल्कि अमेरिका के भीतर भी सवाल खड़े होने लगे कि क्या दुनिया का सबसे बड़ा यह लोकतांत्रिक देश नफरत और हिंसा का प्रतिनिधि बनकर रह जाएगा। गौरतलब है कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा बुलंद करते हुए नयी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसकी चपेट में भारत समेत कई देश आए। अमेरिका में काम करने, नागरिकता हासिल करने और वीजा के नए कड़े नियम बना दिए, जिसका असर लाखों लोगों पर पड़ा। ईरान पर इजरायल के कहने से ट्रंप ने हमला बोला, जिसकी वजह से न केवल हजारों निर्दोषों की मौत हुई, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर पाबंदी लगाने को ईरान मजबूर हुआ और इसका खामियाजा सारी दुनिया ने भुगता। ईरान के मीनाब शहर में बच्चियों के स्कूल पर अमेरिकी हमले के बारे में अमेरिका में सवाल उठे, लेकिन ट्रंप ने इस पर जवाब नहीं दिया। वेनेजुएला में राष्ट्रपति मादुरो निकोलस के सुरक्षा गार्डों को रिश्वत देकर अपने साथ मिलाना और फिर उन्हें पत्नी समेत अगवा कर लेने का काम ट्रंप ने किया, मानो दुनिया अब भी मध्यकाल में जी रही है। कई देशों के आंतरिक मामलों या चुनावों में दखल देने का काम अमेरिका हमेशा ही करता रहा है, ट्रंप ने इस रवायत को बरकरार रखा, हालांकि इससे उनका अपना ही नुकसान हुआ। बहरहाल, अब जो मध्यावधि चुनावों के नतीजे आए हैं, उसमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट, दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या अब ट्रंप के लिए बचे दो सालों का कार्यकाल खासा मुश्किल होने लगा है। वैसे अमेरिकी संविधान में श्सेपरेशन ऑफ पावरश की व्यवस्था है। यानी शक्तियों का बंटवारा है। संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति की शक्तियां अलग–अलग हैं और कोई किसी के काम में दखल नहीं दे सकता। खास बात ये है कि राष्ट्रपति संसद के प्रति उत्तरदायी नहीं है। इसलिए सीनेट और प्रतिनिधि सभा में करारी हार के बावजूद राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की कार्यकारी शक्तियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अब वो कोई कानून अपनी मर्जी से पास नहीं करवा पाएंगे। इसके लिए संसद की जरूरत होती है। डेमोक्रेट्स की संख्या 90 होने के कारण, उनके सभी बिल रोक दिए जाएंगे। दूसरी बात, बजट पर संसद का नियंत्रण होता है। तो ट्रंप के लिए मागा जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए कोई फंडिंग नहीं मिल पाएगी। वहीं व्यापार समझौतों और युद्ध के लिए फंडिंग के वास्ते संसद की मंजूरी जरूरी होगी, तो यहां भी मर्जी नहीं चल पाएगी। तीसरी बात जजोंध्अधिकारियों की मनमानी नियुक्ति नहीं कर पाएंगे, सीनेट उनके द्वारा चुने गए नामों को रोक देगी। ट्रंप पर अब महाभियोग का खतरा बढ़ सकता है। एपस्टीन फाइल्स जैसे कुछ मामलों में डेमोक्रेट्स जांच शुरू कर सकते हैं और महाभियोग की प्रक्रिया भी ला सकते हैं। इन नतीजों में कुछ चौंकाने वाले नतीजे आए हैं। जैसे डेमोक्रेट्स ने कई ऐसे राज्यों में भी जीत दर्ज की, जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन का मजबूत इलाका माना जाता रहा है। टेक्सास, साउथ कैरोलाइना, आयोवा और कंसास जैसे राज्यों में उनकी सफलता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। कई रिपब्लिकन उम्मीदवारों को भी हार का सामना करना पड़ा, जिन्हें ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। मिशिगन सीट से जीत कर डेमोक्रेट अब्दुल अल सैयद अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बन गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान अब्दुल के खिलाफ काफी नफरती टिप्पणी की थी। इस पर अब्दुल ने अब तंज कसते हुए कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप को मेरा नाम लेने में दिक्कत होती थी, अब वह मुझे सीनेटर कह सकते हैं। इसी तरह इल्हान उमर पांचवी बार जीती हैं, उन्हें मिनेसोटा से भारी जीत हासिल हुई है। ट्रंप ने इल्हान उमर की शादी को लेकर भी काफी सवाल उठाए थे। इल्हान उमर की नागरिकता की जांच भी चल रही है। इसके बावजूद उन्हें जीत मिली। जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक पार्टी की केइसा लांस बॉटम्स ने इतिहास रच दिया है। केइसा लांस बॉटम्स पहली अश्वेत महिला हैं जो अमेरिका में किसी राज्य की गवर्नर चुनी गई हैं। तो ऐसे कई बड़े उलटफेर हुए हैं, जिन पर कहा जा रहा है कि यह सब ट्रंप की नीतियों से जनता की नाराजगी के परिणाम हैं। ट्रंप ने अपने भाषणों और बयानों में काफी व्यक्तिगत हमले लोगों पर किए, लेकिन अमेरिकी जनता ने इस बार अपने उदार चरित्र को दिखाया है। ट्रंप ने भी अब जनता की मर्जी को स्वीकार कर लिया है। वैसे भी उनका यह अंतिम कार्यकाल है, दो बार के बाद तीसरी बार राष्ट्रपति का चुनाव वो नहीं लड़ेंगे, लेकिन ट्रंप के कारण रिपब्लिकन पार्टी को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने में वक्त लगेगा।

खंडित हो गई मोदी की छवि, अब सुधार मुश्किल

सर्वमित्रा सुरजन

नरेन्द्र मोदी अब लाख कोशिश कर लें, लेकिन अब किसी भी तरह वे अपनी उस छवि को खंडित होने से नहीं रोक सकते, जो उनके प्रचार तंत्र ने बड़ी मेहनत से गढ़ी थी। नयी पीढ़ी को हमेशा अपने लिए एक नायक की तलाश रहती है, ऐसा व्यक्ति जो हर तरह से उन्हें प्रेरित करे और उनकी नाराजगी को अभिव्यक्ति दे। 2014 के तत्कालीन लोकतांत्रिक भारत में जब दस सालों की यूपीए सरकार की कुछ बातों और देश के हालात को लेकर तब की नयी पीढ़ी में नाराजगी थी, तब नरेन्द्र मोदी को किसी अवतार की तरह पेश किया गया था कि देश इनके हाथों में सौंपों और बस सारी समस्याओं से मुक्ति पाओ। लोगों ने इस प्रचार पर यकीन कर मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। उनके वादे भी कितने लुभावने थे–हर साल दो करोड़ रोजगार, सबके खाते में 15–15 लाख, काला धन वापस लाना, सस्ता तेल, सस्ती गैस उपलब्ध करना, बुलेट ट्रेन चलाना, काशी को क्योटो बनाना। लेकिन समय बीतते न बीतते ये तमाम वादे जुमले साबित हो गए। बल्कि अब तो हाल ऐसा है कि जुमलों और वादों के बीच का अंतर ही खत्म हो गया है। 2014 से 2026 आ गया, समस्याएं खत्म नहीं हुईं, बल्कि नयी समस्याएं खड़ी हो गईं। जैसे वोट का अधिकार खत्म हो गया, जिस राम मंदिर के लिए लोगों ने खून बहाने से परहेज नहीं किया, वहां चढ़ावा चोरी हो गया, युवाओं के सामने पढ़ने और रोजगार पाने के मौके खत्म



कर दिए गए। इन सब पर जनता का गुस्सा बढ़ता गया। लेकिन अपनी सत्ता के सुखों में कैद मोदी ने जनता की भावनाओं को देखना जरूरी नहीं समझा। ऐसे में नयी पीढ़ी का मोह भंग मोदी और उनके वादों से हो चुका है। देश का युवा देख रहा है कि यह सरकार इतनी लाचार है कि विपक्ष के खिलाफ पदयात्रा निकाल रही है और लोकतंत्र बचाने की मांग कर रही है। इस बीच राहुल गांधी ने मोदी की अवतारी छवि को चूर–चूर करने के लिए एक बड़ा प्रहार कर दिया है। 31 अक्टूबर को देश में शायद पहली बार विपक्ष ने मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया। जिसमें ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग प्रस्ताव लाया गया। फिर एक नवंबर को इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में महारैली हुई, जिसमें जनता का जोश देखकर मोदी सरकार सकते में है। इसके बाद 2 नवंबर को राहुल गांधी ने मोदी को खुली बहस की चुनौती दी और फिर 3 नवंबर को वापस अपनी चुनौती को दोहराया। चार दिन के ये चार हमले मोदी सरकार पर काफी भारी पड़ चुके हैं, यह भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं बता रही है। दरअसल 31 अक्टूबर को मोदी ने गुजरात में आरोप लगाया था कि विदेश जाकर देश–विरोधी ताकतों के सहारे देश को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। इस पर राहुल गांधी ने मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। और कहा था कि आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं। आपकी आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण में और समर्थन से है। विदेशी सोशल मीडिया पूरी तरह आपके साथ खड़ा है। मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच, किसी भी समय। हिम्मत है तो आइए। आप नहीं आएंगे, क्योंकि जो मैं आपके बारे में जानता हूं आप उससे डरते हैं। मोदी ने 3 तारीख तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो राहुल ने फिर कहा कि 24 घंटे हो गए मोदी जी। मैंने आपको चौलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पर आप जगह चुनिए, मेरे साथ डिबेट कीजिए। देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है और किस तरह का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत।य उन्होंने कहा, श्दोनों मिलेंगे, मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी। एक तरफ आप बैठोगे, एक तरफ मैं बैठूंगा। जिसको आप जज बनाना चाहते हो, बना दो. मोहन भागवत जी को बिठा दो, चलो और फिर डिबेट करते हैं। राहुल ने यह भी कहा कि मुझ पर कम से कम 45 मामले मानहानि के लगे हुए हैं। लेकिन इस डिबेट के मामले में, विदेशी कनेक्शन के मामले में आप मानहानि का मुकदमा नहीं लगा रहे हो। लगाइए ना, वहां भी खुलकर डिस्कस करेंगे। ये सब डिस्कस करते हैं, आइए। हैप्पी दिवाली, मोदी जी। मोहन भागवत को जज बनाने और विदेशी कनेक्शन पर बहस की चुनौती देकर राहुल ने भाजपा के सामने दीपावली के पहले ही बड़ा बम फोड़ दिया है। आनन–फानन में तमाम भाजपा नेता मोदी के सामने रक्षापंक्ति बनाकर खड़े हो गए हैं। जैसे शतरंज में राजा को शह और मात से बचाने के लिए कैसलिंग की जाती है, यानी राजा को हाथी की आड़ में कर दिया जाता है, और फिर बाकी मोहरे सामने आते हैं, वही खेल इस समय मोदी के लिए रचा जा रहा है। किरण रिजिजू ने तो राहुल की चुनौती को गंभीर मानने से इंकार कर दिया, यानी बहस का सवाल ही नहीं। निशिकांत दुबे ने कहा पहले मुझसे बहस कीजिए फिर मेरे नेता पर आइए। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, नरेंद्र मोदी की सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। संसद चलने दो। हम विशेष सत्र बुलाकर एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार हैं। आप संसद चलने दीजिए और चर्चा में दो–दो हाथ कर लीजिए। देश की जनता को मालूम हो जाएगा कि सही क्या है और झूठ क्या है। हालांकि शाह भी इस बात को अच्छे से जानते हैं कि पूरे मानसून सत्र में राहुल से बचने के लिए मोदी–शाह संसद परिसर में होते हुए भी सदन में नहीं आए। आखिरी दिन वंदेमातरम के लिए खड़े होकर चार मिनट में चले गए। जबकि इस दौरान विपक्ष के सांसदों ने एसआईआर, चुनाव सुधार पर चर्चा का मुद्दा उठाया, मगर मोदी–शाह जवाब देने नहीं आए। निर्मला सीतारमण, गिरिराज सिंह जैसे तमाम सांसद भी अब राहुल को संसद में बहस के लिए बुला रहे हैं। पता नहीं ये सांसद अपने प्रधानमंत्री से क्यों नहीं कहते कि हमने आपको सदन का नेता चुना है तो जवाब देने के लिए आप खुद आइए, हमें आगे मत करिए। खैर ये लोग तो फिर भी सांसद हैं तो राहुल को संसद आने कह सकते हैं। मगर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता न जाने किस हक से राहुल से कह रही हैं कि आप संसद आकर बहस कीजिए और फिर उसमें 1975 से लेकर 1984 तक सबका जिक्र कर रही हैं। बिल्कुल मोदी वाला अंदाज है ये कि आप सीधे सवाल का सीधा जवाब देने की जगह बस विपक्ष को कोसते रहें। रेखा गुप्ता को क्या इतना भी नहीं पता कि वे केवल दिल्ली विधानसभा में बोलने का हक रखती हैं, संसद में नहीं। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा तो रेखा गुप्ता से एक कदम आगे निकले। उन्होंने राहुल गांधी को इस बात पर घेरा कि अपनी चुनौती के आखिरी में उन्होंने लाल गुलाब के साथ मोदी को हैप्पी दीवाली क्यों कहा। बिस्वासरमा ने राहुल के ज्ञान में इजाफा किया कि राहुल गांधी गुलाब का फूल तो वैलेंटाइन डे पर दिया जाता है, दिवाली पर नहीं.. खैर आप भारतीय संस्कृति से कहां परिचित हैं। अब कोई हिमंता बिस्वासरमा से पूछे कि वैलेंटाइन डे कब से भारतीय संस्कृति का हिस्सा हो गया। उन्हें यह क्यों पता है कि वैलेंटाइन डे पर कौन से रंग का गुलाब दिया जाता है। गनीमत है कि बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इस मामले में अब तक बोलने के लिए आगे नहीं किए गए हैं, वर्ना जैसे उन्होंने कहा था कि बिहार में क्राइम हो सकता है, लेकिन अपराध नहीं। वैसे ही वे कहते कि मोदी डिबेट के लिए तो आ सकते हैं बहस के लिए नहीं। खैर अपने बचाव में जिन मोहरों को मोदी ने आगे किया है, वो सब अपने बयानों से खुद ही बिसात से बाहर निकलने की तैयारी कर चुके हैं। भाजपा जितना ज्यादा राहुल गांधी पर आक्रामक होगी, उतनी तेजी से मोदी की छवि बिखरेगी। क्योंकि सवाल मोदी से हो और जवाब भाजपा नेता दें, यह रवैया देश के नौजवानों को रास नहीं आएगा। नयी पीढ़ी तो अब मां–बाप की टाल मटोल पर भी फौरन अपनी असंतुष्टि जाहिर कर देती है। उसे साफ–साफ हां या ना सुनने की आदत है। अगर मोदी राहुल से बहस के लिए आ सकते हैं तो हां कर दें, वर्ना ना कह कर बता दें कि उन्हें डर लगता है।

पश्चिम बंगाल में संघ संगठनों के हमलों से असुरक्षित महसूस कर रहे ईसाई

आशीष विश्वास

हाल के वर्षों में पश्चिम बंगाल में ईसाई समुदाय ने शायद ही कभी शारीरिक हमलों या धर्म से जुड़े तनावों की शिकायत की हो। ईसाई संगठनों ने कभी–कभी उत्तर प्रदेश या ओडिशा में अल्पसंख्यक समूहों के सामने आने वाली कठिनाइयों या भेदभाव का जिक्र अपने सार्वजनिक बयानों और आधिकारिक शिकायतों में किया है, खासकर हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बाद। परन्तु अब संघ संगठनों के बढ़ते हमलों के बीच वे स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन के महज छह महीने के भीतर हालात काफी खराब हो गए हैं कृ ऐसा पूर्वोत्तर भारत के प्रभावशाली ईसाई संगठनों का मानना है। आमतौर पर, ये संगठन पड़ोसी राज्यों या क्षेत्रों के संवेदनशील मुद्दों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। वे मुख्य रूप से सतबहनी राज्योंय (पूर्वोत्तर के सात राज्यों) में जातीय हिंसा से जुड़ी स्थानीय घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। न केवल पूर्वोत्तर क्षेत्र के समुदाय के नेता या बुजुर्ग, बल्कि कुछ ईसाई बहुल राज्यों के अंग्रेजी मीडिया ने भी इस बात पर गौर किया है कि पश्चिम बंगाल में अचानक सामूहिक हिंसा भड़क उठी है, जिससे ईसाई समुदाय प्रभावित हो रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र की हालिया रिपोर्टों और विश्लेषणों में राज्य और केंद्र की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और राजनीतिक नेताओं से आग्रह किया गया है कि वे पश्चिम बंगाल की स्थिति पर ध्यान दें। पूरे देश के ईसाइयों के बीच इस बात को लेकर गहरी चिंता है कि समुदाय के खिलाफ शारीरिक हमलों और हिंसा में अचानक भारी वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल मई से सितंबर के बीच पश्चिम बंगाल में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 65 घटनाएं सामने आई हैं। इसके विपरीत, 2025 में जनवरी से अप्रैल के बीच ऐसी केवल 11 घटनाएं सामने आई थीं। हालांकि पूर्वोत्तर के मीडिया में दिए गए आंकड़े कानून–व्यवस्था की स्थिति में भारी गिरावट की ओर इशारा करते हैं, लेकिन साल–दर–साल तुलना के लिए कोई ठोस विश्लेषण नहीं दिया गया है, जिसका कारण स्पष्ट नहीं है। इस बात का भी जिक्र किया गया है कि आमतौर पर पश्चिम बंगाल को धार्मिक मुद्दों पर होने वाली भीड़ की हिंसा जैसी चिंताजनक प्रवृत्तियों से मुक्त राज्य माना जाता था। विश्लेषकों ने पश्चिम बंगाल में ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी)जैसे हिंदुत्व समर्थक समूहों को जिम्मेदार ठहराया है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। हाल ही में सत्ता में आई भाजपा – जिसे आमतौर पर एक दक्षिणपंथी पार्टी माना जाता है– का कामकाज, चाहे वह प्रशासन का मामला हो या अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का, पूरी तरह से असंतोषजनक रहा है। उन समूहों और उनके नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है, जो मुख्य रूप से निर्दोष अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले की योजना बनाते हैं और उन्हें अंजाम देते हैं। पश्चिम बंगाल में इन आरोपों पर प्रशासनिक या राजनीतिक स्तर पर कोई खास प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली है। कोलकाता भारत में एंग्लो–इंडियन संगठनों का मुख्यालय है और इसके स्थानीय नेता, पारितोष कैनिंग, पिछले कई वर्षों से सत्ताधारी प्रतिष्ठानों के साथ करीबी संपर्क बनाए हुए हैं। एंग्लो–इंडियन समुदाय के शीर्ष संगठन ने कुछ दिन पहले राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ अपने समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और कुछ मांगें रखीं। लेकिन, पूर्वोत्तर के ईसाइयों द्वारा हिंदुत्व समूहों के हमलों को लेकर उठाए गए मुद्दों का इसमें कोई जिक्र नहीं था। राजनीतिक स्तर पर भी, वीएचपी या बजरंग दल जैसे संगठनों ने स्थानीय मीडिया



में सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी रिपोर्टें सामने आईं, जिनमें पूर्वोत्तर के ईसाई संगठनों द्वारा लगाए गए आरोपों का कड़ा खंडन किया गया। इन रिपोर्टों में दावा किया गया है कि स्पष्ट कानूनों और नियमों के बावजूद, हाल के वर्षों में कुछ ईसाइयों और मिशनरियों ने विशेष रूप से पिछड़े सीमावर्ती इलाकों और दूरदराज के गांवों में रहने वाले गरीब आदिवासियों के बीच बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का अभियान चलाया है।

धर्मांतरण के ज्यादातर मामलों में पैसे देने या अन्य तरह की मदद पहुंचाने की बात सामने आई है। यहां तक कि कोलकाता और छोटे शहरों में भी, सुनियोजित तरीके से चलाए जा रहे इन मिशनरी प्रयासों का असर देखने को मिला है। उदाहरण के लिए, उत्तर और दक्षिण कोलकाता के कई निवासियों को समय–समय पर न्यूज लेटर या अन्य प्रकाशित सामग्री मिलती रही है। इनमें भारत के विभिन्न हिस्सों में गरीब लोगों के बीच ईसाई संगठनों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों, या बाईबिल की प्रेरणादायक कहानियों का जिक्र होता है। कोलकाता के कई इलाकों में स्थानीय एनजीओ ने बताया है कि वहां के पार्कों में क्रिसमस का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। बच्चों और युवाओं के बीच उपहार बांटे गए, जबकि बच्चों के प्रशिक्षित गायन समूहों ने धार्मिक गीत आदि गाए।

आज का राशिफल

मेष :– आज संभलकर कदम उठाने की गणेशजी सलाह देते हैं। शारीरिक और मानसिक रूप से आप व्यग्रता का अनुभव करेंगे।

वृषभ :– भावनाओ के बंधन में बंध जाने का अनुभव आज आपको होगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। भाई–बहनों से लाभ होगा।

मिथुन :– नकारात्मक मानसिक व्यवहार न रखने के लिए गणेशजी आपको सलाह देते हैं। आज का प्रवास भी आनंददायी रहेगा।

कर्क :– भावनाओं के प्रवाह में आप न बह जाएं इसके लिए गणेशजी आपको चेतावनी देते हैं। धन का खर्च अधिक होगा।

सिंह :– आज किसी भी निर्णय लेने की स्थिति में आप नहीं रहेंगे इसलिए आवश्यक निर्णय आज न लेने की गणेशजी सलाह देते हैं। मन प्रसन्न होगा।

कन्या :– आज का आप का दिन मध्यम फलदायी रहेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। आज परिस्थिति अनुकूल रहेगी।

तुला :– आज पारिवारिक वातावरण आनंदप्रद रहेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। संतानों की ओर से सुख मिलेगा।

वृश्चिक :– आप के लिए भाग्यवृद्धि का दिन है ऐसा गणेशजी कहते हैं। विदेश स्थित स्नेहीजनों से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे।

धनु :– आज प्रातःकाल के समय आप का शारीरिक स्वास्थ्य नरम–गरम रह सकता है ऐसा गणेशजी कहते हैं। प्रवास का योग है।

मकर :– आज के दिन परिवारजनों के साथ आनंदपूर्वक प्रवास या पर्यटन का आनंद मनाएंगे।

कुंभ :– गणेशजी के आशीर्वाद से आप का आज का दिन सुख–शांतिपूर्वक बीतेगा। पारिवारिक जीवन में भी आनंद छा जाएगा।

मीन :– आज के दिन विजातीय आकर्षण से दूर रहने की गणेशजी सलाह देते हैं। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे।

आबादी पर नई दृष्टि

आज देश में प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी बाबत सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने वाली नीति से जुड़े कानून की प्रासंगिकता अब खत्म हो गई है। अदालत ने माना कि देश में जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण ऐसे प्रतिबंध को लेकर दिये जाने वाले तर्क अब बेमाने हो गए हैं। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ ही 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य' (2003) मामले को एक बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। दरअसल, इस मामले में तीन जजों की बेंच ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम– 1994 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था। जिसमें दो से अधिक बच्चे होने पर उम्मीदवार को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया गया था। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की दो बच्चों के नियम पर यह टिप्पणी दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश के लिये एक उपयुक्त समय पर आई है। देश की मौजूदा बदलती जनसांख्यिकीय तस्वीर दर्शाती है कि अब वे कानून पुराने व प्रतिकूल हो चुके हैं, जो जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिये जनप्रतिनिधियों को स्थानीय चुनाव में हिस्सा लेने से रोकते थे। उल्लेखनीय है कि जब कोर्ट ने 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य'(2003) के मामले में दो बच्चों के नियम की वैधता को मान्यता दी थी, उस समय भारत की प्रजनन दर लगभग तीन थी। जबकि आज यह घटकर 1. 9 हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर 2.1 से कम है। सही मायने में इस बदलाव में हमारी वास्तविक सामाजिक स्थिति का अक्स उभरता है। मसलन बढ़ती साक्षरता, शहरीकरण का विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और परिवार नियोजन के उपायों के प्रति समाज में जागरूकता में वृद्धि आदि। अदालत ने महाराष्ट्र के एक पूर्व सरपंच की अयोग्यता को भी रद्द कर दिया है, जिन्हें अपने तीसरे बच्चे के जन्म के बाद चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। इससे जुड़े संवैधानिक प्रश्न के समाधान के लिये मामले को बड़ी बेंच को भेज दिया है। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी दर्शाती है कि जनसंख्या नीति और मौलिक अधिकारों के बीच पर्याप्त संतुलन बनाना जरूरी है। यानी दो बच्चों से ज्यादा होने पर किसी को सार्वजनिक सेवा करने से रोकना तार्किक नहीं होगा। दूसरे शब्दों में ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने के हक को रोकना पारिवारिक विकल्पों के आधार पर लोकतांत्रिक भागीदारी को सीमित करने जैसा होगा। यानी यह कानून अनुच्छेद 21 अर्थात जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संरक्षण के तहत प्रजनन स्वायत्तता पर गंभीर सवाल उठाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान व हरियाणा आदि ने पहले ही इस प्रतिबंध को हटा दिया है। इन राज्यों का मानना था कि देश में फिलहाल जनसांख्यिकीय परिस्थितियां बदल चुकी हैं। वास्तव में अन्य राज्यों को भी इस तरह के प्रावधानों पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस बाबत कोर्ट का मानना था कि मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करता है। यह भी कि ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाला यह कानून नागरिकों के वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देता है। सही मायने में इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

कृषि विश्वविद्यालय में दिवाली मेला लगा,छात्रों ने बनाए दीये

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत दिवाली मेला लगा। आयोजन कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह के दिशा–निर्देशन में हुआ। मेले में सजे दीये, लिप्पन पेंटिंग, सजावटी लैंप, रेडी–टू–यूज रंगोली और खाने–पीने की चीजों के स्टॉल लगाए गए। विद्यार्थियों ने अपनी कला और कौशल से दीपावली की पारंपरिक सजावट दिखाई। कुलसचिव डॉ. पी.एस. प्रमाणिक ने मेले का जायजा लिया और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सामाजिक जीवन में भी ज्ञान, सकारात्मकता और सेवा भावना फैलानी चाहिए। उन्होंने छात्र–छात्राओं को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मेले में 100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। आयोजन से विद्यार्थियों को रचनात्मकता दिखाने और कौशल विकास, उद्यमिता व सामूहिक भागीदारी का मौका मिला। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. साधना सिंह के संयोजन में संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग ने कार्यक्रम आयोजित किया। डॉ. बबिता वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षक, वैज्ञानिक, कर्मचारी और छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

दीपावली मिलन समारोह,विधायक ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के परसोली में दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विधायक चंद्रभानु पासवान की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, पार्टी कार्यकर्ता और मीडिया कर्मी शामिल हुए। इस दौरान विधायक ने अतिथियों का स्वागत किया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं और संगठन के पदाधिकारियों के साथ संवाद कर उनके सुझाव सुने। साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों और जनसेवा से जुड़े विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में सहभोज का भी आयोजन हुआ, जिसमें विधायक सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर विधायक ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता का आशीर्वाद मिलने की उम्मीद जताई। कार्यक्रम में विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

कोर्ट ने चोरी समेत तीन धाराओं में आरोपी को सुनाई 2 साल का साधारण कारावास की सजा

सुलतानपुर जिले की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने गुरुवार को अमित जायसवाल उर्फ बन्टी को तीन धाराओं में दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। धारा 379 और 411 में 3–3 साल और धारा 465 में 2 साल का साधारण कारावास दिया गया। अमित जायसवाल स्वर्गीय मदन चन्द्र जायसवाल के बेटे हैं। उन्हें 8 अक्टूबर 2026 को भारतीय दंड संहिता की धारा 379, 411 और 465 के तहत दोषी ठहराया गया था। अदालत ने बचाव पक्ष के वकील आशुतोष सिंह और वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी की दलीलें सुनीं। सजा तय करते समय अमित जायसवाल का आपराधिक इतिहास भी ध्यान में रखा गया। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 428 के तहत, सजा की अवधि में पहले से हिरासत में बिताए समय को नियमानुसार घटाया जाएगा। अदालत ने फैसले की एक प्रति अमित जायसवाल को मुफ्त देने और प्रमाणित प्रति जिला मजिस्ट्रेट, सुलतानपुर को भेजने का निर्देश दिया। अमित जायसवाल के खिलाफ कोतवाली नगर, सुलतानपुर में चोरी, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत पहले से करीब 11 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। सजा सुनाए जाने के समय उन्हें जिला कारागार से अदालत में पेश किया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से एसपीओ शैलेश चतुर्वेदी ने पैरवी की।

सुल्तानपुर में घर के ऊपर हवाई फायरिंग

सुल्तानपुर। गोसाईंगंज थाना अंतर्गत डोडापुर गांव में बुधवार रात सगीर अहमद के घर के बाहर हवाई फायरिंग हुई। दीवार पर गोली के निशान मिले और खिड़की के कांच टूटे। पुलिस ने मौके से 4 खोखे बरामद किए। रात करीब 10.30 से 11 बजे के बीच गोली चलने की आवाज सुनकर सगीर के घरवाले और आसपास के लोग बाहर आ गए। इस बीच फायरिंग करने वाले लोग मौके से भाग गए। ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस चौकी को सूचना दी। चौकी प्रभारी अशोक चौरसिया मौके पर पहुंचे और सगीर से बात की। अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह, सीओ जयसिंहपुर सुनील सिंह और थाना प्रभारी अखण्ड देव मिश्रा भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने सगीर से पूछताछ की और सभी पहलुओं की जांच की। पुलिस को घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम भी बुलानी पड़ी। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस को सगीर की शिकायत मिली है और वह आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पहले से रंजिश थी। उनके मुताबिक, एक पक्ष ने डराने–धमकाने के लिए हवाई फायरिंग की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पति पर दूसरी शादी करने और दहेज मांगने का आरोप

सुल्तानपुर। बंधुआकलां थाना क्षेत्र की एक महिला ने पति पर दूसरी शादी करने और 5 लाख रुपये दहेज मांगने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर पति समेत 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। महिला की शादी 8 जुलाई 2025 को बिहार के सुपौल जिले के बीरपुर थाना क्षेत्र के भवानीपुर वार्ड नंबर 9 निवासी मो. शमसाद से हुई थी। शिकायत के मुताबिक, शादी के समय पति शमसाद, ससुर लुकमान, सास नाजो खातून और ननद शहजादी ने 5 लाख रुपये नकद मांगे थे। महिला ने आरोप लगाया कि मायके की आर्थिक स्थिति ठीक न होने से मांग पूरी नहीं हुई, तो ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करने लगे। वह 15 दिन ससुराल में रहने के बाद मायके लौट आई। इसके बाद भी फोन पर 5 लाख रुपये मांगे जाते रहे। मांग पूरी न होने पर पति ने चंडीगढ़ से धमकी दी और कुछ समय बाद फोन करना बंद कर दिया। महिला के मुताबिक, करीब एक सप्ताह पहले उसे पता चला कि पति ने उसकी बहन इसरत जहां की बेटी इरम बानों से दूसरी शादी कर ली है।

ऐतिहासिक तैयारी, आधुनिक तकनीक से सजेगी रामनगरी

25 एलईडी वैन व 20 डिस्प्ले बोर्ड से जीवंत होगा उत्सव, चप्पे–चप्पे पर सूचना व प्रसारण

अयोध्या। भव्य और दिव्य दीपोत्सव–2026 के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने रामनगरी को तकनीक और आधुनिकता के अनुपम संगम से सजाने की पूरी तैयारी कर ली है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों को दीपोत्सव के हर दिव्य क्षण का सजीव अनुभव कराने के लिए शहरभर में अत्याधुनिक एलईडी वैन, विशाल एलईडी डिस्प्ले बोर्ड और भव्य होर्डिंग्स–स्टैंडी का व्यापक नेटवर्क तैयार किया गया है। श्रद्धालुओं को उत्सव से निरंतर जोड़े रखने के लिए 25 स्थानों पर विशेष एलईडी वैन तैनात की जा रही हैं। इनमें सूर्यकुण्ड दर्शननगर, हनुमानगढ़ी रिकाबगंज, झूलेलाल मंदिर चौराहा, गुप्तार घाट एवं मंदिर, पूरा बाजार, रामघाट हाल्ट, गोसाईगंज बाजार, बस स्टेशन (सर्किट हाउस), अयोध्या कैंट व अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन, मसौधा चीनी मिल, देवकाली, अंगूरी भवन, टेढ़ी बाजार, साकेत पेट्रोल पम्प, शहादतगंज हनुमान मंदिर तिराहा, दिगंबर अखाड़ा, लता मंगेशकर चौराहा, गुरुकुल पार्किंग और भरतकुण्ड जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं। इन वाहनों के संचालन के लिए बाकायदा वाहन संख्या और नोडल प्रभारियों के संपर्क विवरण जारी किए गए हैं, ताकि व्यवस्था निर्बाध बनी रहे।दीपोत्सव के मुख्य आकर्षणों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सीधे प्रसारण के लिए शहर के 20 प्रमुख व अति–व्यस्त स्थानों पर एलईडी डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। इनमें रामघाट चौराहा, दीनबंधु नेत्र चिकित्सालय, धर्मपथ बाईपास पेट्रोल पम्प, दिगंबर अखाड़ाधुतुलसी स्मारक भवन, अयोध्या पोस्ट ऑफिस, हनुमान मार्केट सिंह द्वार, हनुमान गुफा, श्रीराम चिकित्सालय, रेलवे स्टेशन अयोध्या धाम, तुलसी उद्यान, हनुमानगढ़ी, अयोध्या कोतवाली, वाल्मीकि भवन, अशर्फी भवन, मीडिया सेंटर, रामकथा संग्रहालय, टेढ़ी बाजार, विद्या कुण्ड, राजघाट और वैक्स म्यूजियम शामिल हैं। रामनगरी के प्रवेश द्वारों से लेकर शहर के भीतरी मार्गों तक 13 मुख्य खंडों पर आकर्षक होर्डिंग और स्टैंडी लगाने का खाका तैयार हुआ है। इनमें साकेत पेट्रोल पम्प से रामघाट हाल्ट व नया घाट तिराहा, रामकथा पार्क, शहादतगंज पुलिस चौकी से कलेक्ट्रेट व रिकाबगंज, राम की पैड़ी व भजन संध्या स्थल, आईटीआई कॉलेज से नियावां चौराहा, आबकारी ऑफिस से मकबरा व सुभाष नगर, देवकाली बाईपास से साकेत पेट्रोल पम्प, पुष्पराज चौराहा से फतेहगंज व देवकाली, कलेक्ट्रेट व विकास भवन परिसर, तथा लखनऊ, सुलतानपुर, अंबेडकरनगर व रायबरेली जाने वाले प्रमुख राज्य मार्गों के दोनों ओर की परिधि शामिल है।जिला सूचना अधिकारी अनुराग रंजन ने बताया कि प्रशासन ने सौंदर्य और सुरक्षा के उच्च मानकों का पालन के लिए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी फ्लेक्स व फ्रेम को विद्युत, टेलीफोन या अन्य टावर पोल पर नहीं लगाया जाएहा। श्रद्धालुओं और पर्यटकों तक आयोजन की जानकारी पहुंचाने के लिए 25 एलईडी वैन और 20 डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। इनके माध्यम से प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण होगा।

भाकियू की किसान पंचायत, आंदोलन की चेतावनी

अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन की मिल्कीपुर इकाई ने गुरुवार को मिल्कीपुर, हैरिंग्टनगंज और अमानीगंज ब्लॉक मुख्यालयों पर किसान पंचायत की। किसानों की समस्याएं उठाने के बाद नायब तहसीलदार अजय कुमार राय को 10 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। मिल्कीपुर ब्लॉक कार्यालय में पंचायत को संबोधित करते हुए तहसील अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि तीनों ब्लॉक के सरकारी बीज गोदामों पर गेहूं का बीज तय कीमत से ज्यादा में बेचने की शिकायतें मिल रही हैं। इससे किसानों को आर्थिक परेशानी हो रही है। इस समस्या पर बीज गोदाम प्रभारी महेश कुमार को बुलाकर बात की गई। तय हुआ कि किसानों को गेहूं का बीज 1,000 रुपए प्रति बोरी की तय दर पर दिया जाएगा। राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि अगर कोई बीज गोदाम प्रभारी तय दर से ज्यादा कीमत पर बीज बेचता मिला, तो भाकियू उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग करेगी और आंदोलन करेगी। किसान नेताओं ने कहा कि किसानों की समस्याओं का तय समय में समाधान होना चाहिए, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं और खेती से जुड़ी सुविधाओं का लाभ मिल सके। पंचायत में तहसील उपाध्यक्ष गौरीशंकर पांडेय, पन्नालाल, जग नारायण दुबे, मोहम्मद इकराम, अमरनाथ, राजबहादुर, राजकुमारी यादव, हरिराम और गुलाब देवी समेत कई किसान मौजूद रहे।

पुष्पक विमान' और 'राम दरबार' के साथ ही मोहित करेगी रामायण थीम

दसवें दीपोत्सव को भव्य बनाने की तैयारी

अयोध्या। रामनगरी में दसवें दीपोत्सव पर ऐसा अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा कि मानो त्रेता युग लौट आया हो। श्रद्धालु राम की पैड़ी पर पहुंचते ही 'पुष्पक विमान' और 'राम दरबार' को देखकर स्तब्ध रह जाएंगे। पर्यटन विभाग द्वारा तैयार किए जा रहे ये दोनों भव्य निर्माण सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के कालखंड का जीवंत अनुभव बनने वाले हैं।योगी सरकार की दीपोत्सव को भव्य बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही। मोक्ष एडवर्टाइजिंग एंड इवेंट्स मैनेजमेंट कंपनी के प्रतिनिधि के अनुसार पुष्पक विमान की लंबाई 30 फीट, चौड़ाई 12 फीट और ऊंचाई 16 फीट रखी गई है। राम दरबार 30 गुणा 20 फीट क्षेत्र में बन रहा है, जिसकी ऊंचाई लगभग 20 फीट होगी। दोनों संरचनाएं प्लाई कैनवास मटेरियल से तैयार की जा रही हैं। बंगाल सहित अन्य राज्यों के कुशल कारीगर रात–दिन मेहनत कर रहे हैं, ताकि हर बारीक नक्काशी और आकार सटीक बने। इसके साथ रामायण थीम पर आधारित तीन नावें भी तैयार हो चुकी हैं, जो सरयू नदी पर तैरती हुई पूरे दृश्य को और रोमांचक बना देंगी। पुष्पक विमान को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की लंका विजय के बाद अयोध्या वापसी के प्रसंग की अनुभूति हो सके। जब दीपों की रोशनी में पुष्पक विमान जगमगाने लगेगा और राम दरबार में भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण तथा हनुमान जी की उपस्थिति का आभास होगा, तो लगेगा जैसे कोई प्राचीन चित्र जीवित हो उठा हो।अयोध्या को वैश्विक पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र बनाने के निरंतर प्रयास हो रहे हैं। पर्यटन विभाग द्वारा की जा रही ये तैयारियां न केवल श्रद्धालुओं को अद्वितीय अनुभव देंगी, बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी रोजगार का अवसर प्रदान करेंगी। राम की पैड़ी पर खड़े होकर जब श्रद्धालु पुष्पक विमान और राम दरबार को देखेंगे, तो उनके मन में वही भक्ति और विस्मय जागेगा जो सदियों पहले इस धरती पर रहा होगा।

आग से जली फसल के मुआवजे के लिए सांसद ने सीएम को लिखा पत्र

सुल्तानपुर। जिले के सदर जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के मलिकपुर बखरा, खेमपुर और शाहपुर लपटा गांवों में करीब 8 महीने पहले बिजली ट्रांसफॉर्मर से निकली चिंगारी से गेहूं की फसल में आग लग गई थी। खबर के मुताबिक, करीब 100 बीघा फसल जल गई थी। किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है। प्रवक्ता वंशराज दुबे ने बताया कि किसानों ने मुआवजे के लिए एसडीएम और डीएम को ज्ञापन दिए और प्रदर्शन किए। उन्होंने प्रशासन पर किसानों की मांग पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया। दुबे ने भाजपा सरकार पर किसानों, व्यापारियों और युवाओं के हितों को लेकर गंभीर नहीं होने का आरोप भी लगाया। 14 अक्टूबर को बगिया गांव चौराहे पर हुई जनसभा में तीनों गांवों के किसानों ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह को मांग पत्र सौंपा था। वंशराज दुबे ने किसानों की ओर से सांसद का आभार जताया। उन्होंने कहा कि किसानों को बेटियों की शादी, बच्चों की स्कूल फीस और खेती के कर्ज जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संजय सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि जयसिंहपुर तहसील के बखरा, खेमपुर और शाहपुर लपटा समेत गांवों में बिजली विभाग के जर्जर तारों से निकली चिंगारी के कारण गेहूं की तैयार फसल जली थी। पत्र के मुताबिक, घटना के 8 महीने बाद भी पीड़ित परिवारों को मुआवजा नहीं मिला है। सांसद ने जले खेतों का आकलन कराकर 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने आग के लिए जिम्मेदार बिजली अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई के निर्देश देने का भी अनुरोध किया। वंशराज दुबे ने कहा कि किसानों का संघर्ष मुआवजा मिलने तक जारी रहेगा।

कांग्रेस प्रवक्ता का संजय सिंह के बयान पर पलटवार

सुल्तानपुर। कांग्रेस प्रवक्ता राजेश तिवारी ने आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने आप को बीजेपी की 'बी–टीम' और आरएसएस की कठपुतली बताया। ये तिवारी के आरोप हैं। तिवारी ने कहा कि संजय सिंह कांग्रेस पर बीजेपी की मदद करने का आरोप किस आधार पर लगा रहे हैं। उन्होंने अन्ना आंदोलन की फंडिंग और उसके पीछे के लोगों को लेकर भी सवाल उठाए। तिवारी ने आरोप लगाया कि आप ने हरियाणा चुनाव के दौरान बीजेपी से फंडिंग ली और दोनों के बीच सांठगांठ हुई। उन्होंने कहा कि पंजाब को 'नशे का प्रदेश' बना दिया गया है। उनके मुताबिक, पंजाब के लोग आप सरकार के भ्रष्टाचार और घमंड से मुक्ति चाहते हैं। तिवारी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल, संजय सिंह और मनीष सिसोदिया भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं और जेल जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आप नेताओं का नैतिकता की बात करना शर्मिंदगी की बात है। तिवारी ने कहा कि पंजाब और दूसरे राज्यों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत हो रही है। उनके मुताबिक, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में जनता कांग्रेस के साथ है और आने वाले चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनेगी। तिवारी का यह बयान आज आया। इससे पहले संजय सिंह ने सुल्तानपुर में प्रेस वार्ता की थी। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 2016, गोवा में 2017 और 2022, कर्नाटक में 2019 और मध्य प्रदेश में 2020 का उदाहरण दिया।

राम वनगमन और केवट प्रसंग के मंचन ने दर्शकों को किया भावविभोर

कुशीनगर। कुंडवा धनीपट्टी स्थित ओंकारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित पांच दिवसीय रामायण मंचन के दूसरे दिन राम वनगमन, निषादराज मिलन, केवट प्रसंग और भरत के त्याग की कथा का भावपूर्ण मंचन किया गया। सांस्कृतिक संगम, सलेमपुर–गोरखपुर के कलाकारों की सजीव प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दूसरे दिन की कथा भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारियों के बीच मंथरा के षड्यंत्र से प्रारंभ हुई। मंथरा के बहकावे में आकर महारानी कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वरदान मांग लिए। पहले वरदान में भरत के लिए राजगद्दी और दूसरे में श्रीराम के लिए 14 वर्ष का वनवास मांगा। कैकेयी की मांग सुनकर राजा दशरथ को गहरा आघात लगा और वे व्याकुल हो उठे। पिता के वचन तथा रघुकुल की मर्यादा की रक्षा के लिए श्रीराम ने माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ वन जाने का निर्णय लिया। श्रीराम के वनगमन का दृश्य अत्यंत मार्मिक रहा। इसके बाद वन में निषादराज से मिलन और गंगा तट पर केवट प्रसंग का मनोहारी मंचन हुआ। केवट द्वारा प्रभु श्रीराम के चरण पखारकर उन्हें गंगा पार कराने के दृश्य ने श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से सराबोर कर दिया। इस प्रसंग के माध्यम से कलाकारों ने प्रेम, सेवा, समर्पण और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। मंचन में श्रीराम के वियोग में राजा दशरथ के प्राण त्यागने तथा भरत और शत्रुघ्न के अयोध्या लौटने का प्रसंग भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। माता कैकेयी से वनवास की पूरी घटना जानकर भरत का व्यथित होना और उनके निर्णय का विरोध करना दर्शकों के लिए भावुक क्षण रहा। भरत का त्याग, श्रीराम के प्रति अटूट प्रेम और भाई के प्रति समर्पण रामकथा के आदर्शों को जीवंत कर गया। निर्देशक मानवेंद्र त्रिपाठी के निर्देशन में कलाकारों ने अपनी प्रभावशाली अभिनय क्षमता से कथा के प्रत्येक प्रसंग को जीवंत बना दिया। मंचन ने संदेश दिया कि रामायण केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि त्याग, कर्तव्य, मर्यादा, पारिवारिक आदर्श, भ्रातृप्रेम और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देने वाली जीवनगाथा है। इस अवसर पर राकेश जायसवाल, सुधीर राव, दिवाकर मणि त्रिपाठी, डॉ. कालिंदी त्रिपाठी, गुड्डू राय, संयोजक डॉ. चंद्रशेखर सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, आरके भट्ट, वीरेश राय, कामोद सिंह, जयप्रकाश, अक्षय गुप्ता, संजय कौशिक, दयाशंकर सिंह, बालिस्टर सिंह और रामचंद्र गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुष्प इंस्टीट्यूट में हुआ विकसित भारत युवा संसद 2026-27 का आयोजन

पीलीभीत। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय,भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत,पीलीभीत द्वारा कल पुष्प इंस्टीट्यूट में विकसित भारत युवा संसद 2026–27 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "एक राष्ट्र, एक चुनाव (व्दम छंजपवद, व्दम ्समबजपवद)" रहा, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपने विचारों एवं तर्कों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रकार के आयोजन युवाओं में नेतृत्व क्षमता, तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति कौशल एवं संसदीय परंपराओं की समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने निर्धारित विषय "एक राष्ट्र, एक चुनाव" पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर किया गया। निर्णायक मंडल में जिला समाज कल्याण अधिकारी सुमित यादव सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रथम स्थान अर्पित सिंह, द्वितीय स्थान निमिष पाल तथा तृतीय स्थान वैभवी मिश्रा ने प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को आगामी चरण में राज्य विधानमंडल (विधानसभा) में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में चंद्र प्रकाश त्रिवेदी, डीडीएम, नाबार्डय अनुज भटनागर, निदेशक,पुष्प इंस्टीट्यूटय लक्ष्मीकांत शर्मा,वरिष्ठ समाजसेवीय डॉ. अलका तोमर, प्रोफेसर, पुष्प इंस्टीट्यूटय अवनींद्र गंगवार,सुमित जायसवाल, युवा नेता,डॉ. के.पी. सिंह एवं ओम महेश यादव, विभागाध्यक्ष,पुष्प इंस्टीट्यूट उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन मेरा युवा भारत,पीलीभीत द्वारा किया गया। जिला युवा अधिकारी शिवम शर्मा ने सभी अतिथियों,निर्णायक मंडल के सदस्यों,संस्थान प्रबंधन एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भागीदारी एवं उनके विचार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मंदिर के अधिकार पर रार, पूजा पर नहीं चलेगी तकरार! एसडीएम ने दोनों पक्षों की तय की जिम्मेदारी

कुशीनगर। पडरौना नगर के चित्रगुप्त मंदिर पर अनाधिकृत अधिकार का दावा करने वाले व देवाधिदेव महादेव के मंदिर का विरोध करने वाले चिटफंड रजिस्टर्ड स्वंय सेवी संस्था श्री श्री चित्रगुप्त समिति द्वारा मंदिर पक्षकार ट्रस्ट व मंदिर के पीठाधीश्वर के खिलाफ की गयी शिकायत के क्रम मे दोनो पक्ष उप जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित हुआ। कोतवाली मे उपजिलाधिकारी व तहसीलदार की उपस्थिति मे हुई सनवाई के दरम्यान दोनो पक्षों ने अपनी बात रखी। इस दौरान प्रशासन ने कहा कि महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि 11 नवम्बर हो होने वाला चित्रगुप्त पूजन शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होना चाहिए। इसमे किसी तरह का व्यवधान व विवाद बर्दास्त नही किया जायेगा। मामले की सुनवाई के दौरान उपजिलाधिकारी विवेक मिश्रा ने बताया कि श्री श्री चित्रगुप्त समिति की ओर से मंदिर में पूजा–पाठ, पुजारी के आवास और मंदिर ट्रस्ट को लेकर शिकायत की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण विषय चित्रगुप्त पूजन को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराना है। शेष विवादित प्रकरण जांच का विषय हैं और चूंकि मामला न्यायालय में भी विचाराधीन है, इसलिए आगे की कार्रवाई न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप होगी। एसडीएम ने दोनों पक्षों को आपसी सौहार्द बनाए रखने और मिलजुलकर पूजा कार्यक्रम संपन्न कराने का निर्देश दिया। इस पर दोनों पक्षों ने सहमति जताई। इसके बाद इसके बाद उपजिलाधिकारी ने कानूनगो को दोनों पक्षों के बयान दर्ज कराकर हस्ताक्षर कराने का निर्देश दिया। इसी क्रम में मंदिर पक्षकार ट्रस्ट चित्रगुप्त मंदिर समिति न्यास के महासचिव संजय चाणक्य सहित अन्य पदाधिकारियों ने अपना बयान दर्ज कर हस्ताक्षर किए। वहीं शिकायतकर्ता पक्ष श्री श्री चित्रगुप्त समिति के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव और मंत्री प्रमोद श्रीवास्तव ने भी अपना पक्ष दर्ज कराते हुए हस्ताक्षर किए। प्रशासनिक स्तर पर हुई इस सुनवाई के बाद यह सहमति बनी कि 11 नवंबर को आयोजित चित्रगुप्त पूजन कार्यक्रम में किसी भी पक्ष की ओर से वाद–विवाद अथवा व्यवधान उत्पन्न नहीं किया जाएगा।कार्यक्रम की शांति और व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी दोनों पक्षों की होगी। मौके पर इंस्पेक्टर ओमप्रकाश तिवारी, नायब तहसीलदार, कानूनगो, नगरपालिका कर्मचारी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रतापगढ़ में नशे के कारोबार पर पुलिस का बड़ा प्रहार, 70 लाख की MDMA के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार





प्रतापगढ़। जिले में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े एक कथित गिरोह का पर्दाफाश किया है। एएनटीएफ लखनऊ और थाना पट्टी पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 700 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ डक्ड। (मेफेड्रोन) बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई को जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की एक महत्वपूर्ण कामयाबी माना जा रहा है।

संयुक्त पुलिस टीम की कार्रवाई से मचा हड़कंप

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एएनटीएफ लखनऊ और पट्टी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान पुलिस को उनके पास से भारी मात्रा में डक्ड। बरामद हुई।

पुलिस के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ की मात्रा 700 ग्राम है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 70 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अतिरिक्त पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसाइकिल, तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 7,380 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। बरामदगी में शामिल मोटरसाइकिलों और मोबाइल फोन को भी पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

कहां से आई नशे की खेप, किन लोगों तक होनी थी सप्लाई?

इस कार्रवाई के बाद पुलिस के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती मादक पदार्थों की तस्करी के पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क का पता लगाना है। जांच एजेंसियां यह जानने का प्रयास कर रही हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित डक्ड। आरोपियों तक कैसे पहुंची और इसके पीछे कौन–कौन लोग सक्रिय हैं।

पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि बरामद नशीले पदार्थ की सप्लाई कहां की जानी थी और क्या इस कारोबार में अन्य व्यक्ति भी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन और उनसे जुड़े संपर्कों की जांच के माध्यम से तस्करी के नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया जा सकता है। पुलिस की जांच का उद्देश्य केवल आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित न रहकर नशे के इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचना भी है।

NDPS एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज, आगे की कार्रवाई जारी

तीनों गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। मामले में क्षेत्राधिकारी पट्टी प्रदीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के विरुद्ध पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है नशे का कारोबार

नशीले पदार्थों की तस्करी केवल कानून–व्यवस्था से जुड़ी समस्या नहीं है, बल्कि यह समाज और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है। नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। ऐसे में जरूरी है कि पुलिस प्रशासन के साथ–साथ समाज के जागरूक नागरिक भी इस समस्या के खिलाफ अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

प्रतापगढ़ में करीब 70 लाख रुपये की डक्ड। बरामदगी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जिले में नशे के अवैध कारोबार की जड़ें कितनी गहरी हैं और इसके पीछे कौन–से लोग सक्रिय हैं। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई के बाद सभी की निगाहें जांच पर टिकी हैं। उम्मीद की जा रही है कि जांच आगे बढ़ने के साथ तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आएगी।

सरसों की ओरोबंकी



ओरोबंकी :– ओरोबंकी या आग्या (ब्रुमरेप) की जातियाँ पूर्ण रूप से मूल परजीवी होती हैं। यह विभिन्न फसलों पर आक्रमण करती हैं जिसमें सरसों, बैंगन, टमाटर, तम्बाकू, फूलगोभी, पत्तागोभी, शलजम और कई सोलोनेसी तथा कुसीफेरी कुल के पौधें शामिल हैं। सरसों, तोरिया, राया फसलों पर ओरोबंकी ओरोबैंकी एजिप्टिका का आक्रमण सबसे पहले राजस्थान के अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर क्षेत्र में देखा है। ओरोबंकी सेरनुआ एक दूसरी पर जाति है जोकि बिहार क्षेत्रों में सरसों की फसल पर परजीवी है। सरसों की फसल में इसके प्रकोप से 10 से 70 प्रतिशत तक हानि हो सकती है। यह परजीवी सरसों उगाये जाने वाले सभी क्षेत्रों में जैसे - राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा में पाया जाता है।

लक्षण :– ओरोबंकी से ग्रस्त सरसों के पौधे छोटे रह जाते हैं और कभी-कभी मर भी जाते हैं ओरोबंकी के चूषकांग (हास्टोरिया) सरसों की जड़ों में घुस कर पोषक तत्व प्राप्त करते है। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि ओरोबंकी की जड़ें सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधें के नीचे मिट्टी से निकलते हुये ओरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते हैं।

नियंत्रण के उपाय

1. नये क्षेत्रों में बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये। 2. ओरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़ कर या सावधानी से साधारण कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
3. यदि बीज बन गये हों तो पौधों को सावधानी से निकालना चाहिये जिससे बीज भूमि में नहीं मिलें।
4. जिन क्षेत्रों में बहुत अधिक प्रकोप होता है वहां सरसों की फसल ट्रेप क्रोप के रूप में बोनी चाहिये। 30 से 40 दिन में परजीवी के पौधे बाहर निकलते दिखाई दें तो नवम्बर के अंत में गहरी जुताई करके सरसों सहित इसके भूमिगत तने को नष्ट कर देना चाहिये। इसके बाद अन्य फसल बो देना चाहिये।
5. जब तक इसका पूर्ण नियंत्रण नहीं हो जाता सरसों के स्थान पर अरण्डी की फसल बोयें, क्योंकि अरण्डी एक वर्षीय फसल है इससे परजीवी को रोकने में मदद मिलेगी।
6. कुछ पौधों जैसे मिर्च के बोने से ओरोबंकी के बीजों का अंकुरण हो जाता है लेकिन मिर्च की फसल पर इस परजीवी से कोई नुकसान नहीं होता है। इस प्रकार भूमि में मौजूद ओरोबंकी के बीजों को अंकुरित कर इस फसल का ट्रेप फसल के रूप में प्रयोग कर परजीवी के पौधों को नष्ट किया जा सकता है। इस प्रकार मिर्च, सरसों फसल चक्र अपनाने से इस परजीवी का प्राकृतिक रूप से नियंत्रण हो जायेगा।
7. लम्बे समय तक फसल चक्र अपनाकर इसकी उग्रता को रोका जा सकता है।
8. पौधों की भूमि की सतह के पास 25 प्रतिशत ताम्र घोल का छिड़काव करने से परजीवी नष्ट किये जा सकते हैं।
9. ओरोबंकी पौधों पर सोयाबीन के तेल की 2 बूंदे डाल देने से पौधा मर जाता है।
10. सरसों की आग्या रोगरोधी किस्म दुर्गामणि की बुवाई करें।

पशुओं का स्वास्थ्य प्रबंधन

गलघोंटू– यह बीमारी पाश्चुरेल्ला मल्टोसिडा नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होती हैं।

लक्षण– इस बीमारी से ग्रसित पशु को तेज बुखार (106 से 108 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं मुंह से बहुतायत में लार बहती हैं, सिर में तथा अगले दोनों पैरों के बीच दुखदायी सूजन, पेटशूल तथा भूख न लगना, साँस लेने में तकलीफ, खून भरे दस्त, आंखों में सूजन, जीभ बड़ी तथा लाल होना, गिटकने में कठिनाई आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

बचाव:– बरसात से पूर्व गलघोंटू रोग विरोधी टीका ऑईल ॲडज्युव्हंट- वैक्सीन जिस पशु का शरीर भार 150 कि.ग्रा. तक हैं उन्हें लगवायें। जिन पशुओं का शरीर भार 150 किलो से ज्यादा हैं उन्हें ॲलम प्रेसिपिटेटेड वॅक्सीन 5 से 10 मिली त्वचा के नीचे लगवायें। टीकाकरण करने से पशु के शरीर में एक वर्ष तक इस रोग विरोधी शक्ति बनी रहती हैं। टीकाकरण न करने पर पशु की मृत्यु हो सकती हैं।

जहरी बुखार– इसे अंग्रेजी भाषा में ॲथ्रेक्स कहते हैं तथा ये बॅसिलस ॲथ्रॅसिस नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं।

लक्षण– पशु को तेज बुखार होता है, पेट फूल जाता हैं, सभी प्राकृतिक छिद्रो से यानि नॉक, मुंह, योनी द्वार, गुद्दवार, कान से गहरे काले रंग का खून बहता हैं जो जमता नहीं हैं यह इस बीमारी का प्रमुख लक्षण हैं। बीमारी बढ़ने पर पशु की मृत्यु हो जाती हैं।

बचाव– बरसात से पहले इस रोग विरोधी टीका ऑरी अंथ्रॅक्स सीरम और साथ ही ब्रॉड स्पेक्ट्रम प्रति जैविक अंटीसीरम 100 से 350 मि.ली नस में लगवायें।

लंगड़ा रोग– अंग्रेजी में इस रोग को ब्लॅक क्वार्टर नाम से जाना जाता हैं तथा यह क्लोस्ट्रीडियम शोव्हाय नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं.

लक्षण– पशु को तेज बुखार होता हैं, पुट्ठों पर विशेषकर पिछले पुट्ठे पर तथा शरीर में सूजन पैदा हो जाती है। पुट्ठों पर जो सूजन पैदा होती हैं उसे दबाने पर करकर जैसी आवाज आती हैं क्योंकि उसमें जीवाणु गैस (वायु) पैदा करते हैं।

बचाव – बरसात से पूर्व इस रोग विरोधी टीका (अंटीसीरम) 200 से 400 मिली नस में लगवायें।

उपाय– पेनीसिलीन, सिप्रोफ्लोक्सासीन तथा नॉर फ्लोक्सासीन जैसे प्रति जैविक इस रोग को नियंत्रण करने में काफी प्रभावशाली पाये गये हैं। लेकिन पशुओं को इस रोग की बाधा होती ही नहीं चाहिए इसलिये इस रोग विरोधी टीका बरसात से पहले अवश्य लगवा लें.

खुरपका–मुंहपका रोग– इसे अंग्रेजी भाषा मे फूट अंड माउथ डिसीज कहते हैं क्योंकि इस रोग से ग्रसित पशु के पैर तथा मुंह दोनों ज्यादा प्रभावित होते हैं.

लक्षण– इस रोग से ग्रसित पशु को तेज बुखार (104 से 106 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं। पशु के मुंह में छाले हो जाते हैं जो बाद में फूट जाते हैं और वहाँ जख्म बन जाते हैं। इससे पशु के मुंह से लगातार चिपचिपी लार टपकती रहती हैं जो गाढ़ी होती हैं और मुंह से जमीन तक तार के माफिक टपकती रहती हैं। पशु के मुंह में दर्द होने से वह कुछ भी खा नहीं सकता अतः कमजोर हो जाता हैं। इसी प्रकार उसके खुरों के बीच भी फोड़े बन जाते हैं जो बाद में फूटकर वहां भी जख्म बन जाते हैं। पशु को काफी दर्द होने से वह चल-फिर नहीं सकता। अतः चराई नहीं कर सकता। जिससे वह और भी कमजोर हो जाता हैं।

रोग के बढ़ने पर मुंह तथा खुर पैर टेढ़े हो जाते हैं. देशी जातियों की गायों की इस रोग-विरोधी शक्ति संकर तथा विदेशी पशुओं की अपेक्षा ज्यादा होने से वह मरती नहीं हैं लेकिन शरीर में विकृतियाँ जैसे मुंह तथा खुर टेढे होना मुंह के भीतर के दाँत गिर जाना आदि नुकसान तो निश्चित होते ही हैं.

उपाय– बचावः यह रोग विषाणु जन्य होने के कारण इस रोग का कोई उपाय नहीं हैं। रोग होने पर प्रति जैविक देना चाहिए लेकिन पशुओं को यह रोग होना ही नहीं चाहिए इसलिये बरसात से पूर्व इस रोग-विरोधी टीका क्वाड्री -व्हॅलंट फील्ड,वॅक्सीन चमड़ी के नीचे लगवाना चाहिए। यह वर्ष में दो बार लगवायें। यह करवाने से हम अपने अमूल्य पशुधन को इस बीमारी से बचाये रख सकते हैं। अतः टीकाकरण अवश्य करवायें।

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता



जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि–जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभ

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.

राम-सरयू का आगमन हुआ है... पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव के परिवार से मिले पीएम मोदी, बच्ची से सुना भजन



नयी दिल्ली भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव ने पत्नी देविशा शेट्टी और बेटी रिधिमा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात प्रधानमंत्री आवास पर हुई। पीएम मोदी ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें वह परिवार के साथ बातचीत करते और बच्ची को दुलारते नजर आए। प्रधानमंत्री ने पोस्ट के साथ दीपावली के माहौल और राम–सरयू के आगमन का उल्लेख किया। मुलाकात के दौरान परिवार की एक बच्ची ने भजन या धार्मिक पाठ भी सुनाया। वीडियो में प्रधानमंत्री उसे ध्यान से सुनते और प्रसन्न होते दिखाई दिए। दीपावली के माहौल में राम और सरयू का आगमन हुआ है। इससे दीपावली का वातावरण और भी पावन एवं दिव्य हो गया है।

सूर्यकुमार की यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब वह भारतीय टी20 टीम से बाहर हैं। दी गई जानकारी के मुताबिक, उन्होंने टीम इंडिया के लिए पिछला मुकाबला टी20 विश्व कप 2026 में खेला था। उनकी कप्तानी में भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता। टूर्नामेंट के बाद सूर्यकुमार से कप्तानी की जिम्मेदारी ली गई और उन्हें टीम में जगह भी नहीं मिली। उनके बाहर होने की वजह खराब फॉर्म बताई गई थी। उन्हें घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर टीम में वापसी का रास्ता बनाने को कहा गया। हालांकि, उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार उनकी वापसी की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। सूर्यकुमार ने 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत की कप्तानी की। दिए गए आंकड़ों के अनुसार, उनकी अगुवाई में टीम ने 40 मैच जीते, आठ में हार का सामना किया और दो मुकाबले टाई रहेय दो मैचों का नतीजा नहीं निकला। उनके कार्यकाल की खास बात यह रही कि भारत ने उनके नेतृत्व में कोई द्विपक्षीय टी20 सीरीज या बहु–टीम टूर्नामेंट नहीं गंवाया। इस रिकॉर्ड के बावजूद, कप्तानी के दौरान उनके व्यक्तिगत रन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। उन्होंने 52 मैचों की 49 पारियों में 28.65 की औसत और 154.96 के स्ट्राइक रेट से 1,232 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शतक और आठ अर्धशतक लगाए। भारतीय टी20 कप्तानों में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, रोहित ने कप्तान रहते 62 मैचों में 1,905 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। विराट कोहली 1,570 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने कप्तान के रूप में 50 मैचों में 13 अर्धशतक लगाए। सूर्यकुमार को टीम से बाहर किए जाने पर उनके कई प्रशंसकों ने नाराजगी जताई थी। अब उनकी वापसी का रास्ता घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन से जुड़ा है। प्रधानमंत्री से मुलाकात के वीडियो ने इस बीच क्रिकेट और मनोरंजन जगत में चर्चा बटोरी है।

हार्ट अटैक, बीपी, स्ट्रोक... सिर्फ नमक छोड़ने से नहीं होगी ये बीमारियां, हर साल बच सकती है लाखों की जान



एक स्टडी के अनुसार, सामान्य नमक (टेबल सॉल्ट) में मौजूद सोडियम क्लोराइड की कुछ मात्रा को पोटैशियम क्लोराइड से बदलकर बनाए गए श्पोटैशियम–युक्त नमकश के इस्तेमाल से, भारत में हर साल लगभग 4 लाख मौतें और हृदय व किडनी से जुड़ी 15 लाख से अधिक बीमारियों के मामलों को रोका जा सकता है। नेचर हेल्थ जर्नल में प्रकाशित और 193 देशों पर की गई इस स्टडी से पता चला है कि, अगर दुनिया भर में ऐसा किया जाए, तो हर साल लगभग 30 लाख मौतें और हृदय व किडनी से जुड़ी बीमारियों के 1 करोड़ नए मामलों को रोका जा सकता है।

पोटैशियम–युक्त नमक के हैं फायदे

ऑस्ट्रेलिया के द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के सीनियर प्रोफेसोरियल फेलो, ब्रूस नील ने कहा कि पोटैशियम–युक्त नमक अपनाने से स्वास्थ्य को व्यापक लाभ होंगे। इससे अधिकांश देशों में हृदय संबंधी होने वाली मौतों में से हर 10 में से 1 मौत को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा–बहुत अधिक सोडियम का सेवन करना और पर्याप्त पोटैशियम न लेना, हाई ब्लड प्रेशर के मुख्य कारण हैं। हाई ब्लड प्रेशर स्ट्रोक, हार्ट अटैक और किडनी की बीमारियों जैसी जानलेवा स्थितियों के लिए एक बड़ा जोखिम कारक है। पोटैशियम–युक्त नमक का इस्तेमाल करने से खान–पान से जुड़ी ये दोनों समस्याएं एक साथ हल हो जाती हैं, जिससे स्वास्थ्य को काफी फायदा मिलता है।

डब्लयूएचओ ने भी दी ये सलाह

पोटैशियम–युक्त नमक दिखने, स्वाद में और खाना पकाने में बिल्कुल सामान्य नमक जैसा ही होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) ने सलाह दी है कि सामान्य नमक की जगह कम सोडियम वाले और पोटैशियम युक्त विकल्पों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। डब्लयूएचओ का कहना है कि सोडियम का सेवन कम करना स्वास्थ्य सुधारने और गैर–संचारी रोगों के बोझ को घटाने का एक किफायती तरीका है। हालांकि दुनिया भर में सामान्य नमक की जगह पोटैशियम–युक्त नमक अपनाना एक बड़ा लक्ष्य है, लेकिन यह देशों को इस अवसर के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करने की एक शुरुआत है। इसमें कई दवाओं–आधारित इलाजों की तुलना में कहीं अधिक संभावनाएं हैं और इसकी लागत भी बहुत कम है।

सही नमक से बच सकती है लाखों लोगों की जान

इस स्टडी में कई तरह की स्थितियों का विश्लेषण किया गया–जिसमें पूरी दुनिया में सामान्य नमक की जगह पोटैशियम–युक्त नमक अपनाने से लेकर, केवल उन लोगों के बीच इसका इस्तेमाल करना शामिल है, जिन्हें हाई ब्लड प्रेशर है और जिनका इलाज चल रहा है। शोधकर्ताओं ने बताया कि, अगर बहुत सीमित स्तर पर भी इस नमक को अपनाया जाए, तो भी स्वास्थ्य को काफी बड़े लाभ मिल सकते हैं। अनुमान है कि अगर घर में इस्तेमाल होने वाले साधारण नमक की जगह पोटैशियम युक्त नमक का इस्तेमाल किया जाए, तो 18.5 लाख मौतों और कार्डियोवैस्कुलर (हृदय संबंधी) तथा क्रॉनिक किडनी डिसीज (गुर्दे की पुरानी बीमारी) के लगभग 62 लाख मामलों को रोका जा सकता है। वहीं, अगर सिर्फ प्रोसेस्ड और रेस्तरां के खाने में नमक बदल दिया जाए, तो 15.6 लाख मौतों और कार्डियोवैस्कुलर तथा क्रॉनिक किडनी डिसीज के 54.6 लाख मामलों को रोका जा सकता है।

इन लोगों को ज्यादा खतरा

टीम ने पाया कि अगर घर के साधारण नमक के साथ–साथ प्रोसेस्ड और रेस्तरां के खाने में भी नमक बदल दिया जाए, तो कुल मिलाकर लगभग 30 लाख मौतों और कार्डियोवैस्कुलर तथा क्रॉनिक किडनी डिसीज के एक करोड़ से अधिक मामलों को टाला जा सकता है।

लेखकों ने लिखा–अगर दुनिया भर में सभी तरह के नमक को बदल दिया जाए, तो कार्डियोवैस्कुलर और क्रॉनिक किडनी डिसीज से होने वाली 29.6 लाख मौतों, 10.17 लाख नए मामलों और 69.43 लाख श्डिसेबिलिटी–एडजस्टेड लाइफ इयर्सश (बीमारी या विकलांगता के कारण जीवन के नुकसान) को हर साल रोका जा सकता है। शोधकर्ताओं ने एक चिंता यह भी जताई कि जिन लोगों को किडनी की गंभीर बीमारी है, उनमें पोटैशियम का स्तर बहुत अधिक (हाइपरकेलेमिया) होने का खतरा हो सकता है।

हालांकि, अध्ययन में पाया गया कि किडनी की गंभीर बीमारी वाले मरीजों में भी, जोखिम की तुलना में इसके फायदे कहीं अधिक हैं।

भारत में द जॉर्ज इंस्टीट्यूट के सीनियर प्रोफेसोरियल फेलो और नेफ्रोलॉजिस्ट (गुर्दा रोग विशेषज्ञ) विवेक झा ने कहा, जिन लोगों को किडनी की गंभीर बीमारी है, या जो ऐसी दवाएं ले रहे हैं जिनसे खून में पोटैशियम का स्तर काफी बढ़ जाता है, उन्हें सावधानी बरतने की जरूरत है। मरीजों को जागरूक करके, उत्पादों की लेबलिंग के जरिए और डॉक्टरों की देखरेख में इस समूह के लिए जोखिमों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है।

विश्व कप : 100 शतक पूरा करने के लिए कोहली के पास पर्याप्त मैच नहीं



नयी दिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि विराट कोहली के पास 2027 वनडे विश्व कप से पहले 100 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा करने के लिए ज्यादा मैच नहीं बचे। अभिषेक नायर ने जियोस्टार से कहा, मुझे नहीं लगता कि वर्ल्ड कप तक उनके पास उस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए पर्याप्त मैच है। मैं चाहता हूं कि वह ऐसा करे, लेकिन आपको भी आगे बढ़ने के लिए काफी गेम खेलने होंगे। हो सकता है कि वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलना जारी रखे, लेकिन मैं वर्ल्ड कप तक के समय के बारे में सोच रहा हूं। वर्ल्ड कप के बाद, उनकी प्रेरणा शायद वैसी न रहे। नायर ने सुझाव दिया कि टीम को हार्दिक पांड्या के साथ एक और विकल्प तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत को भविष्य के बारे में सोचना चाहिए, जहां हार्दिक पांड्या के साथ एक और ऑलराउंडर खेल सकता है। जब आप न्यूजीलैंड जाते हैं, तो हो सकता है कि आपके पास ऐसे दो ऑलराउंड विकल्प हों क्योंकि गौतम गंभीर को बल्लेबाज पसंद हैं। अगर आप एक और ऑलराउंडर तैयार करते हैं, तो वे एक साथ खेल सकते हैं। और अगर इंडिया दो अच्छे तेज गेंदबाज और दो सीम–बॉलिंग ऑलराउंडर के साथ खेल सकता है, तो टीम का संतुलन बेहतर होता है और इसमें गहराई मिलती है। दूसरी बात यह है कि जब आप साउथ अफ्रीका जाते हैं, तो यह काम आएगा क्योंकि अब आपके पास बैटिंग के ज्यादा विकल्प हैं। नायर ने कहा, यह मजेदार है क्योंकि उन सीरीज को देखना जहां आप ट्रॉफी जीतने के लिए फाइनल खेल रहे होते हैं, एक बहुत ही अलग एहसास होता है। यह आपको तैयार करता है और बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार करता है। जब आप तीन या चार देशों वाली ट्रॉफी के लिए खेलते हैं, तो आप स्टैंडिंग में ऊपर–नीचे हो सकते हैं और हर गेम मायने रखता है। इसलिए, मुझे लगता है कि ट्राई–नेशन या उससे अधिक देशों के टूर्नामेंट जैसा कुछ नहीं है।

शादमान इस्लाम टखने की चोट के कारण मैदान से बाहर



सिलहट वेस्टइंडीज के खिलाफ सिलहट में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन के पहले सत्र में बांग्लादेश की मुश्किल बढ़ गई। टीम के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम को टखने में चोट के कारण हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़ा है। शादमान इस्लाम को फील्डिंग करते समय इंजरी हुई। उनका टखना मुड़ा गया। दर्द की वजह से वह तुरंत मैदान पर गिर पड़े और कई मिनट तक तड़पते रहे। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। शादमान को एमआरआई स्कैन के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। यह घटना वेस्टइंडीज की पारी के 78वें ओवर में हुई जब आमिर जंगू ने मेहदी हसन मिराज की गेंद को फाइन लेग की तरफ धकेला। शादमान ने स्लिप से गेंद का पीछा किया, लेकिन जब उन्होंने गेंद उठाने की कोशिश की, तो वह फिसल गए और गिरते समय उनका टखना मुड़ गया। रिप्ले से पता चला कि आउटफील्ड में ओस थी, जिससे वह पहली बार फिसले। बांग्लादेश के सभी खिलाड़ी उनकी मदद के लिए दौड़े, उनके चेहरे चिंता से भरे हुए थे। शादमान टेस्ट मैच के बारी हिस्से के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है। अगर शादमान बाहर होते हैं, तो बांग्लादेश को बाकी मैच सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना होगा। शादमान की इंजरी बांग्लादेश के लिए चिंता का विषय है। 31 साल के बाएं हाथ इस बल्लेबाज ने ढाका में खेले गए पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक लगाया था। शादमान ने 234 गेंदों पर 105 रन की पारी खेली थी। पहला टेस्ट जीत चुकी वेस्टइंडीज की दूसरे टेस्ट में भी मजबूत स्थिति है। रिपोर्ट लिखे जाने तक वेस्टइंडीज ने 9 विकेट पर 324 (96 ओवर में) रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा रन विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने बनाए। आमिर ने 212 गेंदों पर 133 रनों की पारी खेली। इसके अलावा, केविन विकम ने 61 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा विकेट अब तक हसन महमूद ने (6 विकेट) लिए हैं।

हिना खान ने रॉकी साथ 15 मिनट में क्यों की थी शादी, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान और रॉकी जायसवाल की प्रेम कहानी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों करीब 13 साल तक रिलेशनशिप में रहे और फिर 4 जून 2025 को शादी के बंधन में बंध गए। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस कपल ने अपनी शादी की रस्में महज 15 मिनट से भी कम समय में पूरी कर ली थीं? हाल ही में सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट में हिना खान ने अपनी शादी से जुड़ा एक ऐसा खुलासा किया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। एक्ट्रेस ने बताया कि कैंसर के इलाज के दौरान उन्होंने अचानक रॉकी से शादी करने का फैसला लिया था। आइए जानते हैं आखिर क्यों हिना ने इतनी जल्दबाजी में शादी की थी।

हिना खान ने रॉकी से 15 मिनट में क्यों की थी शादी?

सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान हिना खान ने बताया कि कैंसर के इलाज के समय उनकी जिंदगी काफी मुश्किल दौर से गुजर रही थी। उस वक्त उन्होंने रॉकी से साफ कह दिया था कि या तो वह किसी और से शादी कर लें या फिर उनसे ही शादी कर लें, क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि आने वाला कल कैसा होगा। हिना ने बताया कि यह फैसला पहले से प्लान नहीं किया गया था, बल्कि परिस्थितियों को देखते हुए अचानक लिया गया था। उन्होंने कहा कि शादी की पूरी प्रक्रिया 15 मिनट से भी कम समय में पूरी हो गई थी। रॉकी भी इस फैसले के लिए तैयार थे और उन्होंने बिना देर किए हिना का साथ दिया।

शादी के बाद भी नहीं बदला हिना और रॉकी का रिश्ता

हिना ने बातचीत में यह भी बताया कि शादी के बाद उनके रिश्ते में कुछ खास नहीं बदला। उनके मुताबिक, शादी उनके प्यार और साथ को परिभाषित नहीं करती। दोनों पहले की तरह ही एक–दूसरे के साथ सहज और खुश हैं। एक्ट्रेस ने मजाकिया अंदाज में बताया कि उन्हें अपनी पहली शादी की सालगिरह तक याद नहीं रही थी। जब लोगों ने उन्हें बधाई देना शुरू किया, तब उन्हें इस खास दिन का एहसास हुआ। हिना के मुताबिक, वे और रॉकी तारीखों से ज्यादा साथ बिताए गए पलों को महत्व देते हैं।

कैंसर के मुश्किल दौर में रॉकी ने नहीं छोड़ा हिना का साथ



हिना खान ने पहले भी कई मौकों पर बताया है कि कैंसर के इलाज के दौरान रॉकी उनके लिए सबसे बड़ा सहारा बने रहे। उस मुश्किल समय में एक्ट्रेस ने रॉकी को किसी और से शादी करने की सलाह तक दे दी थी। उन्हें लगता था कि वह नहीं जानतीं कि आगे जिंदगी में क्या होने वाला है। लेकिन रॉकी ने उनका साथ छोड़ने के बजाय हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने का फैसला किया। हिना के मुताबिक, उस कठिन दौर में रॉकी के प्यार और सहयोग ने उन्हें हिम्मत दी।

ये रिश्ता क्या कहलाता है के सेट पर शुरू हुई थी लव स्टोरी

हिना खान और रॉकी जायसवाल की मुलाकात टीवी शो श्ये रिश्ता क्या कहलाता हैश के सेट पर हुई थी।

दिवाली पर मिठाई नहीं, प्रसाद में मिलते हैं रुपये और गहने, 500 के नोटों से सजता है पूरा मंदिर



दिवाली का त्योहार आते ही हर तरफ मां लक्ष्मी की पूजा और खुशहाली की तैयारी शुरू हो जाती है। इस दिन लोग माता रानी को मिठाई, फल और तरह–तरह के पकवानों का भोग लगाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी ऐसे मंदिर के बारे में सुना है, जहां भक्तों को प्रसाद के रूप में लड्डू या मिठाई नहीं, बल्कि रुपये और गहने दिए जाते हैं? मध्य प्रदेश के रतलाम में स्थित महालक्ष्मी मंदिर अपनी इसी अनोखी परंपरा के लिए जाना जाता है। यहां दिवाली के मौके पर मंदिर को नोटों, सोने–चांदी के सिक्कों और कीमती आभूषणों से सजाया जाता है। खास बात यह है कि मां के चरणों में चढ़ाया गया धन भाई दूज के दिन भक्तों को प्रसाद के रूप में वापस दिया जाता है।

कहां स्थित है यह अनोखा महालक्ष्मी मंदिर?

मध्य प्रदेश के रतलाम शहर में स्थित महालक्ष्मी मंदिर दिवाली के दौरान खास आकर्षण का केंद्र बन जाता है। इस समय मंदिर को फूलों के साथ–साथ नोटों और सोने–चांदी के आभूषणों से सजाया जाता है। माता लक्ष्मी का विशेष श्रृंगार किया जाता है और मंदिर में धन–वैभव का सुंदर नजारा देखने को मिलता है। दिवाली के अवसर पर यहां दूर–दूर से श्रद्धालु माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। इस खास मौके पर भक्त अपनी श्रद्धा के अनुसार मां लक्ष्मी को रुपये, नोट, सोने–चांदी के सिक्के और गहने अर्पित करते हैं। मंदिर की सजावट में भी इनका इस्तेमाल किया जाता है। कई जगहों पर नोटों की मालाएं और गहनों से सजा दरबार लोगों का ध्यान खींचता है।

भाई दूज पर प्रसाद के रूप में मिलता है धन

इस मंदिर की सबसे खास बात यहां निभाई जाने वाली परंपरा है। दिवाली के दिन भक्त मां लक्ष्मी के चरणों में जो रुपये–पैसे और आभूषण अर्पित करते हैं, उन्हें भाई दूज के दिन प्रसाद के रूप में वापस किया जाता है। भक्त मंदिर पहुंचकर अपना चढ़ाया हुआ धन प्रसाद के तौर पर प्राप्त करते हैं और उसे घर ले जाते हैं। मान्यता है कि मंदिर से मिला यह प्रसाद घर की तिजोरी में रखने से सुख–समृद्धि और बरकत बनी रहती है। इसी विश्वास के चलते हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस परंपरा में शामिल होते हैं। भक्तों के लिए यह केवल धन प्राप्त करने की परंपरा नहीं, बल्कि मां लक्ष्मी के प्रति उनकी आस्था और विश्वास का प्रतीक भी है।

मां लक्ष्मी के साथ होती है भगवान कुबेर की पूजा

महालक्ष्मी मंदिर में मां लक्ष्मी के साथ भगवान कुबेर की भी पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी धन, वैभव और समृद्धि की देवी हैं, जबकि भगवान कुबेर को धन का देवता माना जाता है। यही वजह है कि यहां आने वाले श्रद्धालु दोनों की पूजा–अर्चना कर परिवार की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं।

करीब 300 साल पुरानी है यह परंपरा

बताया जाता है कि रतलाम के महालक्ष्मी मंदिर में दिवाली पर धन और आभूषण चढ़ाने की परंपरा करीब 300 साल पुरानी है।

संक्षिप्त खबरें

विधायक ने पंचायत–कर्मियों के साथ मनाई दीपावली

गोण्डा। करनैलगंज विधानसभा क्षेत्र में विधायक अजय सिंह ने 400 से अधिक पंचायत कर्मियों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने पंचायत सहायकों, सफाईकर्मियों और ग्राम रोजगार सेवकों को बुलाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। आयोजन में विधायक ने पंचायत स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों से मुलाकात की। अजय सिंह ने कहा कि पंचायत सहायक, सफाईकर्मी और ग्राम रोजगार सेवक गांवों में सरकारी योजनाएं पहुंचाने, सफाई बनाए रखने और विकास कार्यों में भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली रिश्तों में मिठास, सम्मान और खुशियां बांटने का संदेश देती है। पंचायत कर्मियों के साथ त्योहार मनाना उनके प्रति सम्मान और आभार जताने का प्रयास है।

एनडीपीएस मामले में वांछित वारंटी गिरफ्तार

बलरामपुर। श्रीदत्तगंज में पुलिस ने गुरुवार को एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित वारंटी को गिरफ्तार किया। जरूरी कानूनी कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया। थानाध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने न्यायालय एएसजे,एफटीसी,सीएडब्ल्यू, बलरामपुर से जारी गैर जमानती वारंट पर कार्रवाई की। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मोहम्मद इजहार उर्फ मोहम्मद रजा के रूप में हुई है। वह मोहम्मद अकरम का बेटा और रुखी मझारी, थाना श्रीदत्तगंज का निवासी है। वह मुकदमा संख्या 01.2022 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8ध्20 के तहत वांछित था। पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह के निर्देश पर जिले में वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चल रहा है। कार्रवाई करने वाली टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामधारी दिनकर, कांस्टेबल किशन गोस्वामी और सुधांशु उपाध्याय शामिल थे।

बृजभूषण शरण सिंह तीन शोकाकुल परिवारों से मिले

बलरामपुर। जनपद में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार को रेहरा बाजार क्षेत्र का दौरा कर तीन शोकाकुल परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत लोगों के परिजनों को ढांढस बंधाया और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उनका काफिला दोपहर करीब 3रू40 बजे इटवा चौराहा, रेहरा बाजार और त्रिमुहानी होते हुए बनकटवा गांव पहुंचा। यहां उन्होंने ग्राम प्रधान विक्रम सिंह के निधन पर उनके परिजनों से मुलाकात की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद वह धोबहा जुवारा मोड़, नए नगर बाजार, सरायखास और घासी पोखरा होते हुए साधूनगर बाजार पहुंचे। यहां भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश तिवारी की भतीजी के निधन पर उनके परिवार से मिलकर शोक संवेदना जताई। इसी बाजार में भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बहरैची गुप्ता के निधन पर भी उनके परिजनों से मुलाकात की। तीनों परिवारों से मिलने के बाद पूर्व सांसद का काफिला मद्दो भट्ठा बाजार के रास्ते आगे रवाना हो गया। उनके दौरे के दौरान स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

क्षेत्राधिकारी ने ग्राम चौकीदारों को वस्त्र बांटे

बलरामपुर। थाना श्रीदत्तगंज परिसर में गुरुवार को क्षेत्राधिकारी उतरौला डॉ. जितेंद्र कुमार और थानाध्यक्ष ने ग्राम चौकीदारों को वस्त्र बांटे। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और ग्राम चौकीदारों के बीच तालमेल और सहयोग मजबूत करना था। पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय की देखरेख में कार्यक्रम हुआ। क्षेत्राधिकारी ने ग्राम चौकीदारों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि गांवों में शांति और कानून–व्यवस्था बनाए रखने में चौकीदारों की भूमिका है। क्षेत्राधिकारी ने चौकीदारों से अपने गांवों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने को कहा। उन्होंने किसी अप्रिय घटना या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने और कानून–व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने के लिए भी कहा।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां तेज, सेक्टर अधिकारियों का प्रशिक्षण अब 12 नवंबर को

शाहजहांपुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2027 की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन कार्यालय ने प्रशासनिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पूर्व निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथि में बदलाव किया गया है। अब रिटर्निंग ऑफिसर्स, सेक्टर ऑफिसर्स तथा सेक्टर पुलिस अधिकारियों का संयुक्त प्रशिक्षण 12 नवंबर 2026 को शाम 4रू30 बजे आयोजित किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रजनीश कुमार मिश्रा की ओर से जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण गांधी भवन प्रेक्षागृह के टाउन हॉल में आयोजित होगा। इससे पूर्व यह प्रशिक्षण 5 नवंबर को प्रस्तावित था। प्रशिक्षण में जनपद की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग ऑफिसर्स, नियुक्त सेक्टर ऑफिसर्स और सेक्टर पुलिस ऑफिसर्स की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन संबंधी जिम्मेदारियों, व्यवस्थाओं और दायित्वों के निर्वहन को लेकर आवश्यक जानकारी दी जाएगी। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से संबंधित अधिकारियों को संशोधित तिथि के अनुसार प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के निर्देश दिए गए हैं।

'अच्छी गुणवत्ता के गेहूं बीज से खिले किसानों के चेहरे

शाहजहांपुर। किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से कृषि विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला कृषि रक्षा इकाई सिधौली पर किसानों को उत्तम गुणवत्ता का गेहूं बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। बेहतर किस्म का बीज मिलने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं और आगामी रबी फसल से अच्छी पैदावार की उम्मीद जगी है। जिला कृषि रक्षा इकाई के प्रभारी अशोक कुमार के नेतृत्व में किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है। किसानों का कहना है कि अच्छी गुणवत्ता का बीज बेहतर उत्पादन की मजबूत नींव होता है। इससे फसल की पैदावार बढ़ने के साथ ही किसानों को आर्थिक लाभ मिलने की संभावना भी बढ़ती है। सरकार की मंशा किसानों की आय में वृद्धि करने और कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने की है।

केवीके द्वारा ऊसर व प्राकृतिक खेती पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन



कुंडा–प्रतापगढ़। कृषि विज्ञान केन्द्र कालाकांकर द्वारा किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों और नई प्रजातियों से जोड़ने के लिए विभिन्न गांवों में प्रक्षेत्र दिवस एवं खेत बचाव अभियान के अन्तर्गत जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य किसानों को ऊसर भूमि में भी बंपर पैदावार देने वाली किस्मों और प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना था जिससे उपज के साथ–साथ खेतों का स्वास्थ्य बना रहे। केन्द्र द्वारा निकरा (छप्ब्।) परियोजना के अंतर्गत ग्राम बलियापुर' में धान की ऊसर–अवरोधी उन्नत प्रजाति ब्ै–60 का अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाया गया था। इसके साथ ही एससीएसपी ''ैच परियोजना के अंतर्गत कुसेमर गांव तथा प्राकृतिक खेती के अंतर्गत ग्राम मुरस्सापुर में बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत एवं दशपर्णी अर्क का प्रदर्शन किया गया था। ग्राम बलियापुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के प्रभारी डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि धान की यह सीएसआर–60 प्रजाति केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (ब्प्) करनाल द्वारा विकसित एक उत्कृष्ट लवण–सहिष्णु और उच्च उपज वाली किस्म है। जहां की मिट्टी में खारापन (लवणीयता / क्षारीयता) अधिक होने के कारण सामान्य फसलें नहीं उग पाती हैं। इसकी औसत उपज 34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है। केन्द्र के उद्यान वैज्ञानिक महेन्द्र प्रताप सिंह ने प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। इस प्रकार के आयोजनों से क्षेत्र के किसानों में नई तकनीकों को अपनाने के प्रति विश्वास और प्रेरणा दोनों बढ़ रहे हैं।

घर का ताला तोड़कर नकदी और जेवरात समेत लाखों की चोरी



कुंडा, प्रतापगढ़। मानिकपुर थाना क्षेत्र के डंडौली गांव में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए नकदी, सोने–चांदी के आभूषण समेत लाखों रुपये का सामान पार कर दिया। रात के अंधेरे में घर का ताला तोड़कर घुसे चोरों ने इत्मीनान से वारदात को अंजाम दिया और कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी होने पर पीड़ित परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़ित ने मानिकपुर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

डंडौली गांव निवासी सचिन कुमार पुत्र रामरसीले के अनुसार, पांच नवंबर की रात करीब एक बजे अज्ञात चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया। चोर घर का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुए और वहां रखे 30 हजार रुपये नकद, करीब 20 ग्राम सोने की चेन व अंगूठी, चांदी के आभूषण, कैमरा, वीडियो कैमरा, गैस सिलेंडर, इन्वर्टर और बैटरी समेत अन्य घरेलू सामान उठा ले गए। चोरों ने घर में रखे कीमती सामान को समेटने के बाद आराम से फरार हो गए। सुबह घर का ताला टूटा और सामान बिखरा देखकर पीड़ित को चोरी की जानकारी हुई। इसके बाद परिवार के लोगों ने घर में रखे सामान की पड़ताल की तो नकदी और जेवरात समेत कई कीमती वस्तुएं गायब मिलीं। पीड़ित ने घटना की लिखित शिकायत मानिकपुर थाने में देकर चोरी गए सामान की बरामदगी और अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी पंकज कुमार राय का कहना है कि चोरी की सूचना मिलने पर जांच–पड़ताल की जा रही है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खोरा में लगेगा कौशाम्बी का पटाखा बाजार, सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने बदला स्थान



कौशाम्बी। दीपावली के त्योहार को देखते हुए जनपद में पटाखों की बिक्री के लिए प्रशासन ने स्थान परिवर्तन का निर्णय लिया है। पहले ओसा चौराहे पर पटाखा बाजार लगाए जाने की तैयारी थी, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था और आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अब पटाखों की दुकानें खोरा में निर्माणाधीन साइबर थाने के सामने लगाए जाने की व्यवस्था की गई है। प्रशासन के इस निर्णय का उद्देश्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में पटाखों की बिक्री से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकना और लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। पटाखा बाजार के लिए निर्धारित स्थान पर दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानें सजाने की तैयारियां की जा रही हैं।अग्नि सुरक्षा के इंतजाम जरूरी पटाखों की बिक्री के दौरान आग लगने की आशंका को देखते हुए अग्निशमन सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। दुकानों पर अग्निशमन यंत्र, रेत और पानी की व्यवस्था रखने के साथ–साथ निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना आवश्यक है। प्रशासन द्वारा भी दुकानदारों को सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए जाने की आवश्यकता है।दुकानदारों और ग्राहकों से अपील प्रशासन की ओर से दुकानदारों से निर्धारित स्थान पर ही दुकान लगाने तथा बिना वैध अनुमति पटाखों की बिक्री नहीं करने की अपील की गई है। वहीं ग्राहकों से भी अपील है कि वे अधिकृत दुकानों से ही पटाखे खरीदें और सुरक्षा नियमों का पालन करें। प्रशासन के इस कदम से दीपावली के दौरान पटाखों की खरीदारी को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सड़क दुर्घटना में 6 लोग घायल

कुंडा–प्रतापगढ़। क्षेत्र में हुई अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में से लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हथिगवां थाना क्षेत्र के कबीरपुर निवासी छोटे पांडेय 65 वर्ष पुत्र राम लखन पांडेय, बेंती पूरे सिंघम निवासी मनीष यादव 27 वर्ष पुत्र नैन सिंह, बेंती पूरे तिगुनाईतगांव निवासी विजेंद्र कुमार 22 वर्ष पुत्र संतू राम, कुंडा कोतवाली क्षेत्र के जमेठी गांव निवासी जगतपाल पटेल 60 वर्ष पुत्र राम अवतार तिलौरी मोहल्ला निवासी तीरथ केसरवानी पुत्र शिवलाल केसरवानी सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं। सभी को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

अलग–अलग स्थानों पर महिला समेत तीन लोग सर्प दंश के शिकार

कुंडा–प्रतापगढ़। अलग–अलग तीन स्थानों पर महिला समेत तीन लोग सरपंच के शिकार हो गए। कुंडा कोतवाली क्षेत्र के पिंगरी गांव निवासिनी नसरीन बानो 40 वर्ष पत्नी मोहम्मद शकील, मानिकपुर थाना क्षेत्र के ऊंचा गांव निवासी पुरुषोत्तम दास साहू 63 वर्ष पुत्र रामेश्वर प्रसाद साहू तथा नवाबगंज थाना क्षेत्र के परसई गांव निवासी सौरभ शर्मा 28 वर्ष पुत्र शिव करन शर्मा अलग–अलग स्थान पर सर्प ने डस लिया। सभी हालत बिगड़ने पर उनके–उनके परिजन ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुंडा में भर्ती कराया। इलाज के बाद सभी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

ग्रामीणों को बताई बैंकिंग योजनाओं की उपयोगिता

पूरे धनऊ में नाबार्ड के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



कुंडा–प्रतापगढ़। ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं और सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की नई बाजार शाखा की ओर से पूरे धनऊ में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की वित्तीय समावेशन निधि के तहत आयोजित कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक जय सक्सेना ने ग्रामीणों को नियमित बचत, बीमा और बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बचत की आदत भविष्य की आर्थिक जरूरतों में सहायक होती है। वहीं बीमा योजनाएं विपरीत परिस्थितियों में परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती हैं। कार्यक्रम में एफएलसी क्षेत्रीय कार्यालय प्रतापगढ़ के जगदीश प्रसाद पांडेय ने वित्तीय साक्षरता पर जानकारी दी। जादूगर ह्रदेश तिवारी ने जादू के रोचक करतबों के माध्यम से बचत और बीमा का महत्व समझाया। सहायक शाखा प्रबंधक कंचन वर्मा, कैशियर कमला और भानु द्विवेदी ने भी बैंक की योजनाओं के बारे में जानकारियां देते हुए जागरूक किया । इस मौके पर अजय यादव, वीएलई शिव मोहन यादव, रंजीत विश्वकर्मा, कुलदीप कुमार व सत्येंद्र विश्वकर्मा समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

कौशाम्बी में 6 से 30 नवंबर तक मिलेगा मुफ्त राशन अंत्योदय कार्डधारकों को 35 किलो खाद्यान्न



कौशाम्बी। जिले के राशन कार्डधारकों के लिए राहत भरी खबर है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत नवंबर माह का निःशुल्क खाद्यान्न वितरण 6 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर 2026 तक चलेगा। जिला पूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य ने जनपद के समस्त अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को निर्धारित अवधि में अपनी उचित दर की दुकान से राशन प्राप्त करने की अपील की है।

अंत्योदय कार्ड पर 35 किलो, पात्र गृहस्थी को मिलेगा 5 किलो प्रति यूनिट

विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार अंत्योदय राशन कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किलो गेहूं और 21 किलो चावल, कुल 35 किलो खाद्यान्न निःशुल्क दिया जाएगा। वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 किलो गेहूं और 3 किलो चावल, कुल 5 किलो खाद्यान्न मिलेगा। दो पालियों में होगा राशन वितरण

जिले की उचित दर की दुकानों पर राशन वितरण सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। वितरण ई–पॉस मशीन के माध्यम से कराया जाएगा। राशन दुकानदारों द्वारा निर्धारित संख्या में टोकन देकर लाभार्थियों को राशन उपलब्ध कराया जाएगा। मोबाइल ओटीपी से भी मिलेगा राशनविभाग की ओर से मोबाइल ओटीपी के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त पोर्टेबिलिटी सुविधा के तहत राशन कार्डधारक उपलब्ध स्टॉक के अनुसार किसी अन्य उचित दर की दुकान से भी अपना राशन प्राप्त कर सकते हैं। शिकायत के लिए जारी किए गए संपर्क नंबरराशन वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता, घटतौली या परेशानी होने पर लाभार्थी संबंधित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी अथवा पूर्ति निरीक्षक से शिकायत कर सकते हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी, कौशाम्बी – 7839564632

क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, मंझनपुर / चायल – 9415264027क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, सिराथू – 7080996210

पूर्ति निरीक्षक, सिराथू / कड़ा – 7705076819 जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि में अपनी उचित दर की दुकान पर पहुंचकर निःशुल्क खाद्यान्न प्राप्त करें। साथ ही राशन वितरण में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दें।गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए सरकार की यह खाद्यान्न योजना आर्थिक राहत देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।



प्राइम युवा लहर
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

स्वामी, प्रकाशक एवं सम्पादक साबिर अली, द्वारा मुद्रक 95/9, चन्द्रेश्वर कम्पाउन्ड परेड, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश 208001 से मुद्रित एवं हाउस नं0 453/456, गली नं0 9, फरीदीपुर, दुबग्गा, लखनऊ उत्तर प्रदेश 226003 से प्रकाशित।

सम्पादक
साबिर अली
मो0 : 8564845546

P.R.G.I.No.UPHIN/26/A9036

समस्त विवादों का न्यायालय क्षेत्र लखनऊ होगा